■ मार्गशीर्ष शुक्ल - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 131 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 06-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 गुलाबी गेंद अधिक चकमा देती है, इससे निपटने का तरीका खुद ढूंढना होगा : रोहित शर्मा

6 महाराष्ट्र में भाजपा के चाणक्य साबित हुए देवेंद्र फड़णवीस

7 बाबर के युग में जो हुआ और अब बांग्लादेश में जो हो रहा है उसका डीएनए एक : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

फर्जी बीईएमएस डिग्री गिरोह का भंडाफोड़, 10 चिकित्सकों समेत 13 गिरफ्तार

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत में फर्जी 'बैचलर ऑफ इलेक्ट्रो-होम्योपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी' (बीईएमएस) डिग्री गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद 10 फर्जी चिकित्सकों समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों के क्लीनिकों से एलोपैथिक और होम्योपैथिक दवाइयां, इंजेक्शन, सिरप की बोतलें और प्रमाण पत्र बरामद किए गए हैं। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, आरोपियों में से तीन 70,000 रुपये में फर्जी बीईएमएस डिग्रियां बेच रहे थे।

चेन्नई में संदिग्ध दूषित जल पीने से दो लोगों की मौत, 19 अस्पताल में भर्ती

चेन्नई/भाषा। शहर में कथित तौर पर दूषित पेयजल के कारण बृहस्पतिवार को दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 19 अन्य का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने अस्पताल का दौरा किया और मरीजों हालचाल पूछा। उन्होंने बताया कि पानी के नमूनों को विस्तृत विश्लेषण के लिए गिण्डी स्थित किंग इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन एंड रिसर्च भेजा गया है। मंत्री सुब्रमण्यम ने संवाददाताओं को बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण पता चलेगा।

आतंकवादियों से जुड़े मामले में तीन मकान कुर्क

श्रीनगर/भाषा। शोपियां और बारामूला जिलों में अधिकारियों ने आतंकवादियों से जुड़े अलग-अलग मामलों में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत बृहस्पतिवार को तीन घरों को कुर्क कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार शोपियां में कुर्क किए गए मकान आतंकवादी अदनान शफी डार के पिता मोहम्मद शफी डार और आतंकवादियों के सहयोगी सज्जाद अहमद खाह के ससुर अब्दुल मजीद कोका के नाम पर पंजीकृत हैं। बारामूला जिले के सोपोर क्षेत्र के नौपोरा कलां में एक मंजिला आवासीय मकान और 16 मरला जमीन मोहम्मद सुभान खान की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवाद से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शोपियां में पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) की धारा 25 के तहत दो मंजिला आवासीय संपत्तियों को कुर्क करके सख्त कार्रवाई की है। प्रवक्ता के अनुसार जैनापोरा पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में यह कार्रवाई की गयी है।

06-12-2024 सूर्यास्त	07-12-2024 सूर्योदय
5:41 बजे	6:18 बजे

BSE	NSE
81,765.86	24,708.40
(+809.53)	(+240.95)

सोना	चांदी
7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,000 रु. प्रति किलो

फडणवीस ने तीसरी बार थामी महाराष्ट्र की कमान

एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सत्ता में दमदार वापसी करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार की शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में एक भव्य समारोह में तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'महायुति' गठबंधन के नेताओं एकनाथ शिंदे और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। समारोह के तुरंत बाद, फडणवीस, शिंदे और पवार एक साथ दक्षिण मुंबई में स्थित राज्य सचिवालय मंत्रालय पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री ने नई सरकार की पहली मंत्रिमंडल बैठक की अध्यक्षता की और संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के अलावा भाजपा नीत 'महायुति' के हजारों समर्थक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यह समारोह 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के करीब दो सप्ताह बाद आजाद मैदान में आयोजित किया गया। प्रमुख विपक्षी दलों के नेता इस समारोह से अनुपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह से पहले अजय गोगावले और अतुल गोगावले भाइयों की संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने एक अद्भुत संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया।

इस अवसर पर किसी अन्य मंत्री को शपथ नहीं दिलाई गई। भाजपा के एक नेता ने बताया कि मंत्रिपरिषद का विस्तार अगले सप्ताह नागपुर में राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले किया जाएगा।

शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जे पी नड्डा, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और शिवराज सिंह चौहान मौजूद थे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में आए, जिनमें योगी आदित्यनाथ, नीतीश कुमार, हिमंत विश्व शर्मा, मोहन यादव और प्रमोद सावंत शामिल थे।

फडणवीस को हरसंभव सहयोग देंगे, टीम के रूप में काम करेंगे : उपमुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को हर संभव सहयोग देंगे और एक टीम के रूप में काम करेंगे। शिंदे ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को बहुत सफल बताया। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं मुख्यमंत्री को हरसंभव सहयोग दूंगा। हम एक टीम के रूप में काम करेंगे।'' सीएम (मुख्यमंत्री) और डीसीएम (उपमुख्यमंत्री) शब्दों का इस्तेमाल करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्होंने ''आम आदमी'' के रूप में काम किया और अब ''आम आदमी के लिए समर्पित'' रहेंगे।

यदि समय पर न्याय न मिले तो यह न्याय न मिलने के समान है : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि समय पर न्याय नहीं मिलता है तो यह न्याय न मिलने के बराबर है। मुर्मू ने यहां एक न्यायिक अदालत परिसर का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय की प्रक्रिया में देरी की प्रवृत्ति से गरीबों को सबसे अधिक परेशानी होती है। उन्होंने कहा, ''उनके पास (गरीबों) बार-बार न्यायालय आने के लिए न तो वित्तीय संसाधन हैं और न ही शक्ति।''

राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी संबंधित पक्ष सार्वजनिक हित में न्याय की प्रक्रिया में देरी की परंपरा को समाप्त करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कोई रास्ता निकालेंगे। उन्होंने कहा कि भाषा भी आम लोगों के लिए एक बाधा है। उन्होंने कहा कि लोगों को समझ नहीं आता कि वकील उनके लिए क्या बहस कर रहे हैं या क्या राय दे रहे हैं।

मुर्मू ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि अदालती फैसलों का अब उड़िया और संथाली भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है और ये अनुवादित फैसले उच्चतम न्यायालय और ओडिशा उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह न्यायपालिका में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में ओडिशा की न्यायपालिका में 48 प्रतिशत महिला अधिकारी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में महिला अधिकारियों की संख्या में और वृद्धि होगी।

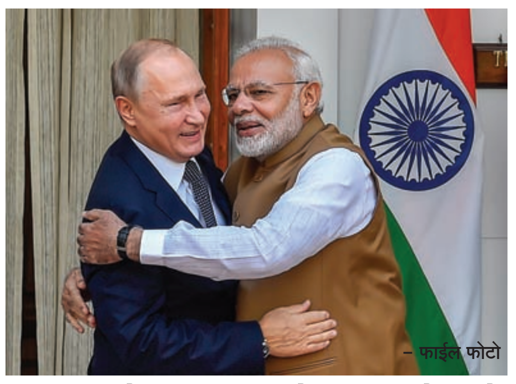

– फाईल फोटो

भारत में कारखाने लगाने को रूसी कंपनियां तैयार : पुतिन

मॉस्को/नई दिल्ली/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'मेक इन इंडिया' पहल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा है कि रूसी कंपनियां भारत में विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि वहां निवेश करना लाभदायक है। पुतिन ने बुधवार को मॉस्को में 15वें वीटीबी निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश जुटाने के लिए शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री और भारत सरकार स्थिर स्थितियां बना रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय नेतृत्व भारत को पहले रखने की नीति पर चल रहा है और हमारा मानना है कि भारत में निवेश लाभदायक है। उन्होंने रूस में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए संचालित 'आयात प्रतिस्थापन कार्यक्रम' को 'मेक इन इंडिया' के समान बताते हुए कहा कि भारत का नेतृत्व अपने हितों को प्राथमिकता देने की नीति पर केंद्रित है।

संभल हिंसा :

घटनास्थल से अमेरिका में निर्मित दो कारतूसों समेत चार कारतूस बरामद

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के मामले में फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से अमेरिका में निर्मित दो खाली कारतूसों समेत चार कारतूस बरामद किए हैं। इससे पहले, पिछले मंगलवार को छह खाली कारतूस बरामद किए गए थे, जिनमें से पांच कथित तौर पर पाकिस्तान में बने थे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने संवाददाताओं को बताया कि 24 नवंबर को हुई हिंसा की जांच के तहत फॉरेंसिक टीम ने बृहस्पतिवार को घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने कहा, बरामद किए गए खाली कारतूसों में से दो पर मेड इन अमेरिका लिखा है। चार कारतूस फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। संभल में 19 नवंबर को अदालत के आदेश पर शाही जामा मस्जिद का पहला सर्वेक्षण किये जाने के बाद से तनावपूर्ण स्थिति है। सर्वे का आदेश जिस याचिका पर दिया गया था।

सोरोस, ओसीसीआरपी के साथ देश के खिलाफ साजिश रच रहे हैं राहुल : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और न्यूज पोर्टल ओसीसीआरपी के साथ मिलकर देश के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सांसद डॉ. संबित पात्रा ने गुरुवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में फ्रांस के अखबार 'मीडिया पार्ट' में छपे लेख के हवाले से देते हुए कहा, जॉर्ज सोरोस और राहुल गांधी दो बदन, एक जान हैं। जो भारत विरोधी एजेंडा जॉर्ज सोरोस का है, वही भारत विरोधी एजेंडा राहुल गांधी का है।

उन्होंने कहा, यह गांधी परिवार, एक ऐसा परिवार है, जो अपनी कुर्सी के लिए अगर देश को भी बेचना पड़े और देश का भी बलिदान देना पड़े, तो इससे भी गुरेज नहीं करेगा, यह लोग देश को भी बेच सकते है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा आज उठाया गया मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल किसी पार्टी या व्यक्ति से नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हाल ही में कुछ खुलासे हुए हैं, जिनसे पता चलता है कि देश के भीतर कुछ ऐसी शक्तियां सक्रिय हैं, जो भारत को कमजोर करने, उसकी एकता और संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं। ये शक्तियां नहीं चाहतीं कि भारत आगे बढ़े और विश्व पटल पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करे।

भाजपा प्रवक्ता ने 'मीडिया पार्ट' में छपे लेख का हवाला देते हुए कहा, भारत के खिलाफ साजिश रचने वाले त्रिकोण की पहली कड़ी अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और उनके फाउंडेशन के साथ कुछ अमेरिकी एजेंसियां हैं। दूसरी कड़ी, एक बड़ा न्यूज पोर्टल ओसीसीआरपी (ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) है। त्रिकोण की तीसरी और सबसे अहम कड़ी, कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हैं, जो 'सर्वोच्च कोटि के देशद्रोही' हैं।

नीतिगत ब्याज दर पर फैसले का आरबीआई आज करेगा ऐलान

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक में लिए गए फैसलों का ऐलान करेगा। बुधवार को शुरू हुई तीन-दिवसीय समीक्षा बैठक के दौरान नीतिगत ब्याज दर पर फैसला किया जाएगा। यह बैठक मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी और कमजोर जीडीपी आंकड़ों के बीच हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक अल्पकालिक उधारी दर (रेपो) को स्थिर बनाए रखने का फैसला कर सकता है। हालांकि मिले-जुले आर्थिक रुझानों को देखते हुए एमपीसी नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में बदलाव करने का फैसला कर सकती है। एमपीसी मौद्रिक नीति के बारे में निर्णय करने वाली सर्वोच्च इकाई है जिसके प्रमुख रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास हैं। इस समिति में गवर्नर समेत कुल छह सदस्य हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

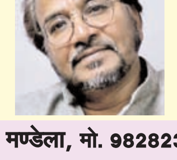

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अजीब दौर

कविताएं चुरा रहे कविगण,
लिखने वाले मुँह ताक रहे।
वोटर को फँसा रहे दल्ले,
जन सेवक बगलें झाँक रहे।
झूठों के हैं बाजार गर्म,
सच्चे पत उँची टाँक रहे।
खबरों वाले बेखबर हुए,
नेता ही सच को ढाँक रहे।।

ट्रंप की आगामी सरकार के साथ गहरे संबंधों के लिए भारत बेहतर स्थिति में : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ अमेरिका को कई क्षेत्रों में भारत की आवश्यकता होगी, जहां वे प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका निभाना चाहेंगे। दोनों देशों को विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे कई क्षेत्रों में आपसी लाभ और संबंधों की समझ विकसित करनी होगी।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत के प्रति सकारात्मक राजनीतिक नजरिया रहा है और भारत उनके प्रशासन के साथ ''गहरे'' संबंध बनाने तथा द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कई अन्य देशों की तुलना में अधिक बेहतर स्थिति में है।

उद्योग संगठन 'एसोचैम' में एक संवाद सत्र में जयशंकर ने कहा कि कई अन्य देशों की तरह भारत के सामने भी कुछ मुद्दे हो सकते हैं और वह उनसे निपटेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि ऐसे देश हैं जो ट्रंप की आगामी सरकार को राजनीतिक चुनौती के रूप में देख रहे हैं, लेकिन भारत के लिए ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमें अमेरिका के साथ राजनीतिक समीकरण बनाना होगा और यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सफल होंगे, क्योंकि ट्रंप के साथ हमारे हमेशा सकारात्मक राजनीतिक संबंध रहे हैं। मैं कहूंगा कि ट्रंप का भारत के प्रति हमेशा सकारात्मक राजनीतिक दृष्टिकोण रहा है।''

उन्होंने कहा, ''हर किसी की तरह, हमारे सामने भी कुछ मुद्दे हो सकते हैं। हम उन मुद्दों से निपटेंगे। लेकिन जब मैं आज दुनिया भर में देखता हूं, तो ऐसे देश हैं जो ट्रंप की आगामी सरकार को एक राजनीतिक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। हमारे मामले में ऐसी स्थिति नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह हमें बहुत सारे देशों से अलग करता है। हम आगामी सरकार के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ संबंधों में बदलने के लिए कहीं अधिक बेहतर स्थिति में हैं।'' जयशंकर ने कहा कि अमेरिका को कई क्षेत्रों में भारत की आवश्यकता होगी, जहां वे प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे कई क्षेत्रों में आपसी लाभ और संबंधों की समझ विकसित करनी होगी।

रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति की पृष्ठभूमि में ऊंचे शुल्क, जलवायु परिवर्तन और समग्र विदेश नीति प्राथमिकताओं सहित कई संवेदनशील मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन की नीति को लेकर कई देशों में चिंताएं हैं। यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भारत के प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौतों पर जयशंकर ने कहा कि कुछ गैर-व्यापारिक जटिल मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, ''यूरोपीय संघ के मामले में, कई सदस्य हैं। इसलिए हर किसी का अपना हित है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के दो उपग्रह कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित

इसरो ने पीएसएलवी-सी59 रॉकेट के जरिए सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा, (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को पीएसएलवी-सी59 रॉकेट के जरिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बताया कि प्रक्षेपण के लगभग 18 मिनट बाद दोनों उपग्रहों को 'सही कक्षा' में स्थापित कर दिया गया।

प्रोबा-3 (प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड ऑटोनोमी) में दो उपग्रह हैं, जिनमें दो अंतरिक्ष यान ने एक साथ उड़ान भरी।

प्रक्षेपण के बाद मिशन नियंत्रण केंद्र में वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा, ''उपग्रहों को सही कक्षा में स्थापित कर दिया गया है, जो कि लगभग 600 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित बेहद ऊंची अण्डाकार कक्षा है। यह पृथ्वी का सबसे निकटतम बिंदु है, तथा 60,000 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित सबसे दूरस्थ कक्षा है, जिसका झुकाव 59 डिग्री है।'' उन्होंने कहा, ''यह (मिशन) 61वें मिशन (ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) में सटीक रूप से हासिल किया गया है। इसलिए, समूची पीएसएलवी परियोजना टीम के साथ-साथ प्रोबा-3 टीम को बधाई। हम प्रोबा-3 टीम को उनके आगे के संचालन और मिशन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं देते हैं।''

इससे पहले, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसरो ने कहा, ''मिशन सफल रहा। पीएसएलवी-सी59-प्रोबा-3 मिशन ने अपने प्रक्षेपण उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है, तथा ईएसए उपग्रहों को सटीकता के साथ उनकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया है। यह पीएसएलवी के भरोसेमंद प्रदर्शन, एनएसआईएल और इसरो के सहयोग और ईएसए के अभिनव लक्ष्यों का प्रमाण है।''

विनेश फोगाट ने दिल्ली कूच के लिए किया किसानों का समर्थन, कहा 'यह अन्याय के खिलाफ आंदोलन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद जिले की जुलाना सीट से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने छह दिसंबर को प्रस्तावित 'दिल्ली कूच' के लिए किसानों का समर्थन किया और कहा कि यह सिर्फ प्रदर्शन नहीं बल्कि अन्याय के खिलाफ आंदोलन है।

विनेश फोगाट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पिछले नौ महीने से किसान हमारे देश का सड़कों पर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मानी हुई मांगों को क्यों पूरा नहीं कर रही है। भारत के किसानों का संघर्ष केवल उनकी आजीविका का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा, फसल का मूल्य तय करने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी के बिना हमारे अन्नदाता हर साल घाटे और कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं।

विनेश ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि अब किसान चुप नहीं बैठने वाले हैं क्योंकि किसान अडिग हैं इसलिए आंदोलन जारी है।

उन्होंने पोस्ट में कहा, छह दिसंबर को लाखों किसान अपने हक और सम्मान की लड़ाई के लिए दिल्ली कूच करेंगे। यह सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ एक जनांदोलन है।

विनेश ने पोस्ट में केंद्र की सत्तारूढ़ सरकार से पूछा, कर्ज से दबे किसान आत्महत्या क्यों कर रहे हैं?, एमएसपी की मांग क्यों अनसुनी की जा रही है? अन्नदाता आज भी मेहनत का दाम क्यों नहीं पा रहे हैं? उन्होंने किसानों को समर्थन देने के साथ जनता से भी इस आंदोलन से जुड़ने की अपील की है। कांग्रेस विधायक ने कहा कि यह लड़ाई सम्मान और हक की लड़ाई है।

देशों को परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार है, लेकिन जनहानि का भी ध्यान रखना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशों को विभिन्न परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार है, लेकिन उन्हें नागरिकों के हताहत होने का ध्यान रखना चाहिए और मानवीय कानूनों का पालन करना चाहिए।

राज्यसभा में जयशंकर ने प्रश्नकाल के दौरान इजराइल और फलस्तीन के बीच जारी संघर्ष पर भारत की स्थिति के बारे में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा, ''हम आतंकवाद की, हर तरह के आतंकवाद की निंदा करते हैं। हम बंधक बनाने की निंदा करते हैं। हम मानते हैं कि देशों को विभिन्न परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देने का अधिकार है, लेकिन देशों को नागरिकों के हताहत होने का ध्यान रखना चाहिए। उन्हें मानवीय कानूनों का पालन करना चाहिए। हम युद्धविराम और हिंसा का जल्द अंत चाहते हैं।'' नागरिकों की सुरक्षा और कानूनी व मानवीय दायित्वों को बनाए रखने के संबंध में 27 अक्टूबर, 2023 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक प्रस्ताव से भारत के अलग रहने का कारण पूछे जाने पर, जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में कई प्रस्ताव थे और कुछ में भारत ने परहेज किया और कुछ में, इसके पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा, ''...मतदान से दूर रहने के कई कारण हैं। जैसे कि प्रस्ताव संतुलित नहीं है, यह अधिक विभाजनकारी है, यह एक मिसाल कायम कर सकता है जिसका भारत पर असर हो सकता है या इसके व्यापक निहितार्थ हो सकते हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''इस विशेष मामले में, हमें लगा कि प्रस्ताव को ठीक से तैयार नहीं किया गया था और न ही उस पर ठीक से विचार किया गया था। हमारी चिंता को समायोजित नहीं किया गया। इसलिए हमने मतदान से परहेज किया।''

देश के 23 प्रमुख मझोले शहरों में औसत आवास कीमतें बढ़ीं, पांच शहरों में दरें घटीं: प्रॉपइक्विटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इस वर्ष जनवरी-सितंबर के दौरान 23 मझोले शहरों में शुरू की गई आवासीय परियोजनाओं की कीमत में 65 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई, जबकि पांच शहरों में दरों में गिरावट आई है।

ऑनलाइन रियल एस्टेट आंकड़ों तथा विश्लेषण से जुड़े मंच प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी-सितंबर के दौरान पेश की गईं आवासीय परियोजनाओं में जयपुर में नई परियोजनाओं की औसत कीमतों में सबसे अधिक 65 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह 6,979 रुपए प्रति वर्ग फुट हो गई। पिछले साल जयपुर में औसत दरें 4,240 रुपए प्रति वर्ग फुट थीं।

प्रॉपइक्विटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं संस्थापक समीर जसूजा ने कहा, '' मझोले शहरों में कंपनियों, कॉरपोरेट, वित्तीय संस्थानों तथा निवेशक समुदाय की ओर से रुचि देखी गई है। ''

उन्होंने कहा, ''इन शहरों में जमीन सस्ते में उपलब्ध होने, संपर्क सुविधाओं के बड़े पैमाने पर विकास और मजबूत मांग से प्रीमियम तथा लग्जरी आवास की आपूर्ति में वृद्धि हुई है। जयपुर,

गुंटुर, गांधी नगर और भुवनेश्वर जैसे शहरों में पिछले एक साल के दौरान कीमतों में 15 से 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।''

आंकड़ों के अनुसार, आगरा में कीमतों में 59 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसके बाद चंडीगढ़ में 34 प्रतिशत, भिवाड़ी में 25 प्रतिशत, इंदौर में 20 प्रतिशत, देहरादून में 14 प्रतिशत, लुधियाना में 11 प्रतिशत और लखनऊ में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई।

दक्षिण भारत की बात करें तो गुंटूर में सबसे अधिक 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसके बाद मैंगलोर में 41 प्रतिशत, विशाखापत्तनम में 29 प्रतिशत, विजयवाड़ा में 21 प्रतिशत, कोयंबटूर में 11 प्रतिशत, गोवा में छह प्रतिशत और कोच्चि में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। पश्चिम भारत में गांधीनगर में आवासीय कीमतें 19 प्रतिशत बढ़ीं। इसके बाद सूरत में 14 प्रतिशत, नागपुर में 12 प्रतिशत, वडोदरा में 10 प्रतिशत, नासिक में चार प्रतिशत और अहमदाबाद में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पूर्वी भारत के आंकड़ों के अनुसार, भुवनेश्वर में कीमतें 15 प्रतिशत और रायपुर में 14 प्रतिशत बढ़ीं।

दूसरी तरफ, भोपाल में मकानों के औसत दाम में पांच प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसके साथ मोहाली तथा सोनीपत में क्रमशः आठ प्रतिशत और 26 प्रतिशत की गिरावट आई। जबकि त्रिवेंद्रम में चार प्रतिशत और मैसूर में 14 प्रतिशत की गिरावट आई।

ईडी के नाम पर छापेमारी कर जौहरी के यहां से 22.25 लाख रुपए और आभूषण चुराने वाले 12 लोग गिरफ्तार

भुज (गुजरात)/भाषा। गुजरात के गांधीधाम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बनकर छापेमारी करने के आरोप में 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस फर्जी छापेमारी के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर 22.25 लाख रुपए की नकदी और आभूषण चुरा लिए थे। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दी। पूर्वी कच्छ पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा है कि यह घटना दो दिसंबर को एक जौहरी के परिसर में हुई थी।

अधिकारी ने कहा, ''आरोपियों ने इस फर्जी छापेमारी के दौरान 22.25 लाख रुपए की नकदी और आभूषण चुरा लिए थे। व्यवसायी द्वारा पुलिस से संपर्क करने के बाद, कई दलों का गठन किया गया था, जिसके बाद भरत मोरवाडिया, देवायत खाचर, अब्दुलसत्तार, हितेश ठक्कर, विनोद चूड़ासमा, यूजीन डेविड, आशीष मिश्रा, चंद्रराज नायर, अजय देबे, अमित मेहता, उसकी पत्नी निशा और शैलेंद्र को गिरफ्तार किया गया।

आर्थिक समीक्षा 2024-25 में नियमन हटाने पर रहेगा विशेष ध्यान: नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अगले महीने पेश की जाने वाली आर्थिक समीक्षा 'नियमन को हटाने' पर केंद्रित होगी ताकि रोजगार सृजन और महिला कार्यबल की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके। सरकार चालू वित्त वर्ष की आर्थिक समीक्षा संसद के बजट सत्र की शुरुआत में 31 जनवरी को पेश कर सकती है।।

नागेश्वरन ने यहां उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम में कहा कि जुलाई में पेश आर्थिक समीक्षा 2023-24 में भी इस पर काफी चर्चा हुई थी और अगली समीक्षा में भी यह मुख्य विषयवस्तु होगा। नियमन को हटाना यानी उसे खत्म कर देना आगामी आर्थिक सर्वेक्षण का भी मुख्य विषय होगा। मुख्य

आर्थिक सलाहकार ने कहा कि महिला एवं पुरुष विभाजन को दूर करने के साथ रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के मोर्चे पर भी नीतिगत पहल नियमन हटाने के मामले में अधिक काम कर सकती है। उन्होंने उदाहरण देते कहा कि विभिन्न राज्यों में महिलाओं के लिए प्रतिबंधित व्यवसायों की कुल संख्या 118 तक पहुंच जाती है। इसकी वजह यह है कि इन व्यवसायों में महिलाओं के शामिल होने को जोखिम से भरा माना जाता है। यदि आप महिला कार्यबल की भागीदारी बढ़ाना चाहते हैं तो राज्य और स्थानीय शासन में नियमन को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

सदन के नियम एवं प्रक्रियाओं का पालन करें सदस्य, बिल्ले लगाकर न आएं: बिरला

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को सदस्यों से नियम एवं प्रक्रियाओं का पालन करने और सदन में बिल्ले आदि लगाकर नहीं आने का आग्रह किया। उनकी इस अपील को कांग्रेस के कुछ सदस्यों द्वारा काले रंग की जैकेट पहनकर सदन में आने की पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है जिसके पीछे 'मोदी अदाणी एक हैं, अदाणी सेफ हैं' लिखा हुआ था। इससे पहले कांग्रेस समेत 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के सदस्यों ने संसद के 'मकर द्वार' के पास इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

अध्यक्ष बिरला ने कहा, ''मैं आप सभी से संसद की मर्यादा, गरिमा और प्रक्रियाओं का पालन करने का आग्रह करता हूं।'' उन्होंने कहा कि लोकसभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-349 के तहत कोई भी सदस्य सभा में लैपल पिन अथवा बिल्ला (राष्ट्रीय ध्वज के सिवाय) लगाकर नहीं आएंगे और प्रदर्शित नहीं करेंगे। बिरला ने कहा, ''मेरा आपसे आग्रह है कि संसद के नियम प्रक्रियाओं का पालन करें। आप वरिष्ठ सदस्य हैं। हम नियमों का पालन नहीं करेंगे तो सदन की गरिमा गिरेगी। ऐसा होगा तो हर कोई अलग-अलग तरह के बिल्ले लगाकर आएगा।''

पदों का रिक्त होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि विभिन्न विभागों या मंत्रालयों में पदों का रिक्त होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है और रिक्तियों का ब्यौरा संबंधित मंत्रालयों या विभागों द्वारा रखा जाता है। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि केंद्र सरकार के मंत्रालयों या विभागों को समय-समय पर रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरने का निर्देश दिया गया है।

सिंह ने कहा, ''विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में पदों का रिक्त होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है। रिक्तियों का ब्यौरा संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा रखा जाता है।'' एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में संविदा पर नियुक्तियां सामान्य वित्तीय नियम, 2017 के प्रावधानों के अनुसार, संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा उनकी आवश्यकताओं के आधार पर की जाती हैं। मंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 अक्टूबर, 2022 को शुरू किए गए रोजगार मेलों में मिशन मोड में रिक्त पदों को भरा गया है। विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 40-45 शहरों में केंद्रीय स्तर पर 13 रोजगार मेले आयोजित किए गए हैं।'' रोजगार मेलों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा सौंपे गए भर्ती पत्रों की संख्या का विवरण मांगने वाले एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा ''रोजगार मेलों के दौरान कई लाख नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

पहले ही कह चुका हूं कि सही काम नहीं करने वाले ठेकेदार को बुलडोजर के नीचे डलवा देंगे: गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क निर्माण में खामियों से जुड़े सवालों पर बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि वह पहले ही कह चुके हैं कि ''सही काम नहीं करने वाले ठेकदार को बुलडोजर के नीचे डलवा दिया जाएगा''।

उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह भी कहा कि ठेकेदारों को 'ठोक-पीटकर' ठीक कर दिया जाएगा। गडकरी ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे विभाग ने 50 लाख करोड़ रुपए के काम किए। हम पारदर्शी हैं, समयबद्ध हैं, परिणाम देने वाले हैं।'' उनका कहना था, ''मैं इसका उल्लेख नहीं करना चाहता था... मैं एक जनसभा में कह चुका हूं कि अगर ठेकेदार ठीक ढंग से काम नहीं करेगा तो उसे बुलडोजर के नीचे डलवा देंगे, याद रखना। इस साल देखो, इनको ठोक-पीटकर ठीक कर दूंगा, हम बिल्कुल समझौता नहीं करेंगे।'' उन्होंने सदन को बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निर्माण में पाई गईं कमियों के लिए चार ठेकेदारों को जिम्मेदार ठहराया गया है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि आईआईटी-खड़गपुर और आईआईटी-गांधीनगर के विशेषज्ञों ने एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया और इसके निर्माण में खामियां पाईं। गडकरी ने कहा, ''हमने चार ठेकेदारों को नोटिस जारी किया है और उन्हें काली सूची में डाल देंगे। सख्त कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।'' मंत्री ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे देश की सबसे लंबी सड़क है और इसका निर्माण सबसे कम समय में हुआ है।

भारत के परमाणु संयंत्र सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन कर रहे हैं: सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि भारत के परमाणु संयंत्र सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन कर रहे हैं और इन संयंत्रों से उत्सर्जित विकिरण में प्रगतिशील साक्ष्य-आधारित गिरावट आई है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि कुडनकुलम और कलपक्कम परमाणु संयंत्रों सहित विभिन्न स्थानों पर विकिरण का स्तर कम हुआ है।

मंत्री ने कहा, ''परमाणु ऊर्जा विभाग में हम पहले सुरक्षा के नियम का पालन करते हैं और उत्पादन बाद में।'' उन्होंने देश में परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि आश्वस्त होने के पर्याप्त कारण हैं। सिंह ने कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के उस बयान पर चुटकी ली जिसमें उन्होंने दावा किया था कि परमाणु संयंत्र स्थापित करने में 10 साल लगते हैं। उन्होंने कहा, ''हमने न केवल नए संयंत्र स्थापित किए हैं बल्कि उन संयंत्रों को भी चालू किया है जो उनके द्वारा अधूरे छोड़ दिए गए थे, जिनमें कुडनकुलम संयंत्र भी शामिल है।'' रमेश ने सवाल किया कि परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड 40 साल पहले बनाया गया था, तो क्या सरकार एक स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा नियामक स्थापित करने के बारे में विचार कर रही है?

इस पर सिंह ने कहा कि देश के हित में सरकार सभी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा पर पहले और उत्पादन पर इसके बाद ध्यान दिया जाता है। उन्होंने पूर्ववर्ती संप्रग सरकार पर तंज करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार न केवल प्रतिष्ठान की योजना बनाती है बल्कि उन्हें पूरा भी करती है और उनका क्रियान्वयन भी करती है।

हैदराबाद: पुलिस अधिकारी को 'धमकाने व अभद्र भाषा' के इस्तेमाल के आरोप में बीआरएस विधायक गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पी कौशिक रेड्डी को यहां उनके खिलाफ पुलिस के एक अधिकारी को धमकाने, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और काम में बाधा डालने के आरोप में दर्ज एक मुकदमे के सिलसिले में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र से विधायक कौशिक रेड्डी को यहां कोंडापुर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस द्वारा ले जाए जाने के दौरान विधायक ने कहा कि उन्हें 'अवैध' तरीके से गिरफ्तार किया गया है। पूर्व मंत्री टी हरीश राव समेत बीआरएस के कुछ नेताओं को पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे रेड्डी से मिलने उनके आवास पर गए थे। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की।

सीतारमण आज से बजट-पूर्व परामर्श शुरू करेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट बनाने की प्रक्रिया के तहत शुक्रवार से विभिन्न पक्षों के साथ बजट-पूर्व परामर्श शुरू करेंगी। परामर्श की इस शृंखला के तहत पहली बैठक छह दिसंबर को प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के साथ होगी। सीतारमण इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर के सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आने के बीच वित्त मंत्री आगामी बजट के बारे में उनसे सुझाव मांगेंगी।

सूत्रों ने कहा कि इसके बाद सात दिसंबर को किसान संघों और कृषि अर्थशास्त्रियों और एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी। वित्त वर्ष 2025-26 का

आम बजट एक फरवरी को संसद में पेश किए जाने की संभावना है। यह सीतारमण का आठवां बजट और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण बजट होगा। माना जा रहा है कि आगामी बजट से भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक नीतिगत दिशा मिलेगी। बजट पूर्व परामर्श 30 दिसंबर को भारतीय उद्योग जगत के प्रमुखों और सामाजिक क्षेत्र, विशेष रूप से शिक्षा तथा स्वास्थ्य के हितधारकों से परामर्श के साथ खत्म होगा।

'अदाणी के एजेंट' दुबे ने राहुल और विपक्ष के बारे में अपमानजनक बातें कीं, माफी मांगें: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लोकसभा में लगाए गए आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जब अदाणी समूह के ''भ्रष्टाचार'' का मुद्दा उठाया जाता है तो ''अदाणी के एजेंट'' और ''स्लीपर सेल'' सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा विपक्ष के बारे में अपमाजनक बातें करते हैं।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर उनसे यह सुनिश्चित करने का

आग्रह किया कि दुबे अपने शब्द वापस लें और माफी मांगें। दुबे ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर विदेशी संगठनों और लोगों के माध्यम से देश की संसद, सरकार तथा अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जिस पर भारी हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही बाधित हुई। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और राज्यसभा के कुछ सदस्यों के नामों का उल्लेख किया।

वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, ''सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना लोकसभा में हुई जब पूरी कांग्रेस पार्टी, नेता प्रतिपक्ष पर संभल यात्रा प्रतिबंध का मुद्दा उठा रही थी, तो माननीय लोकसभा अध्यक्ष ने निशिकांत दुबे को शून्यकाल में बोलने की अनुमति दी। इस दौरान एलओपी राहुल गांधी और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी के साथ-साथ पूरी कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जो अस्वीकार्य है।'' उन्होंने दावा किया, ''जब भी हम अदाणी के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हैं, तो वे (भाजपा) विपक्ष और कांग्रेस पार्टी को गाली देने पर उतर आते हैं। ''अदाणी के एजेंट'' को केवल एक ही काम दिया गया है कि भ्रष्टाचार को उजागर करने वालों को बदनाम करो और उनके साथ दुर्व्यवहार करो।'' वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि ''अदाणी के एजेंट'' निशिकांत दुबे द्वारा नेता प्रतिपक्ष और प्रियंका गांधी के बारे में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के समक्ष उठाऊंगा: उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने का मुद्दा उठाएंगे।

एसकेआईएमएस अस्पताल के 42वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में शामिल होने के बाद अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री और गृह मंत्री महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावों में व्यस्त थे। लेकिन अब उनके पास समय है, इसलिए इस मुद्दे को उठाया जाएगा ताकि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द बहाल किया जा सके।''

यह पूछे जाने पर कि क्या नेकां संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती पर अवकाश को बहाल किया जाएगा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर

में कई चीजें हैं जिनकी वापसी की जरूरत है, लेकिन प्राथमिकता पहले इसका राज्य का दर्जा बहाल करना है।

अब्दुल्ला ने कहा, '' कई अन्य तिथियां भी हैं, लेकिन हमें एक बड़ी लड़ाई लड़नी है। हमे जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर लड़ाई लड़नी है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपने वादे को पूरा करेंगे जो उन्होंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर की जनता से किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''चुनावों में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई। लोगों को जबरन मतदान केंद्रों पर लाए जाने की कोई शिकायत नहीं थी। बल्कि, उन्होंने बढ़चढ़कर इस उम्मीद के साथ चुनाव को बड़ी सफलता दिलाई कि उनसे किए गए वादे, खासकर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा पूरा किया जाएगा।''

एसकेआईएमएस अस्पताल के महत्व पर अब्दुल्ला ने कहा कि इसे इसलिए बनाया गया है ताकि जम्मू-कश्मीर के लोगों को पीजीआई या एम्स जैसे अन्य तृतीयक देखभाल संस्थानों में जाने की जरूरत महसूस न हो।

सीजेएम, जेल अधिकारियों के हाथों कैदी की पिटाई के मामले की जांच करें, रिपोर्ट सौंपे : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तिरूवल्लूर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) को यहां पुझल में केंद्रीय जेल (प्रथम) में जाने तथा वहां जेल अधिकारियों द्वारा कथित रूप से बुरी तरह पीटे गये विचाराधीन कैदी जयंतन का बयान दर्ज करने, मामले की जांच करने और अपनी राय के साथ जांच रिपोर्ट 17 दिसंबर या उससे पहले सौंपने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति एम जोतिरमण ने विचाराधीन कैदी की मां आनंदी की याचिका पर हाल ही में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि विचाराधीन कैदी का बयान जेल अधीक्षक या किसी भी अन्य जेल अधिकारी की मौजूदगी में नहीं लेना है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि कैदी की मां को 17 अक्टूबर, 2024 को एक वकील ने बताया कि उनके बेटे/कैदी जयंतन की 16 अक्टूबर को पुलिस अधिकारी प्रशांत पांडियन ने पिटाई की और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना देने वाले वकील ने याचिकाकर्ता को बताया कि उनका बेटा बेहोश था और उसे इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया।

पीठ के अनुसार याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि उनकी मुवक्किल 18 अक्टूबर को तत्काल अपने बेटे से मिलने गयीं और वह अपने बेटे के चेहरे पर, उसकी दाहिनी आंख के ऊपर जख्म देखकर स्तब्ध रह गयीं। जब याचिकाकर्ता ने अपने बेटे से इस जख्म के बारे में पूछा तो वह 'परेशान' हो गया और उसने कुछ नहीं बताया।

पीठ के मुताबिक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उस वक्त एक पुलिस अधिकारी कैदी के पास खड़ा था। याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि जब याचिकाकर्ता अपने बेटे को इलाज उपलब्ध कराने के वास्ते पुलिस अधीक्षक से मिलने गयीं तब उन्हें जेल अधीक्षक से नहीं मिलने दिया गया तथा उन्हें बस फोन पर 'जेलर' से बात करने की अनुमति दी गयी।

याचिकाकर्ता के वकील का कहना है कि 'जेलर' ने उनकी मुवक्किल से इलाज के वास्ते कैदी का मेडिकल रिकार्ड लाने को कहा। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील का यह भी कहना है कि चेन्नई के सरकारी स्टैनली चिकित्सा महाविद्यालय के 'रेडियोगायनोसिस एंड इमेजिंग' विभाग से जारी मेडिकल रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि एक माह पहले 'रॉड' से चोट लगी। ऐसे में कैदी के जख्म को देखते हुए संदेह पैदा होता है।

पीठ ने बताया कि अतिरिक्त सरकारी वकील का कहना था कि जेल अधीक्षक ने कैदी को इलाज कराने की अनुमति दी है और उसे इलाज मुहैया कराया जा रहा है। पीठ ने कहा, ''लेकिन हमें याचिकाकर्ता की ओर से उठाए गए तर्क में कुछ दम नजर आया।''

इसी के साथ पीठ ने याचिका में लगाए गए आरोपों के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए उपरोक्त निर्देश दिए। पीठ ने कहा कि प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी जेल अधिकारी की उपस्थिति के बिना जांच कर पायें, इस सिलसिले में सभी इंतजाम किये जाएं।

सबरीमला में पुलिस ने श्रद्धालुओं के लिए तैयार किया 'पोर्टल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/भाषा। केरल के सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में वार्षिक मंडलम–मकरविलक्कु तीर्थयात्रा के दौरान हर दिन हजारों की संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की आसान सुविधा सुनिश्चित करने के मकसद से एक पोर्टल शुरू किया गया है। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिला पुलिस प्रमुख वी. जी. विनोद कुमार के निर्देश पर जिला पुलिस की साइबर सेल द्वारा 'सबरीमला – पुलिस गाइड' पोर्टल तैयार किया गया है।

कुमार ने कहा कि यह 'गाइड' पोर्टल तीर्थयात्रियों के लिए बहुत उपयोगी होगा और इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि इसमें दी गई जानकारी को समय पर अद्यतन किया जा सके। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'पुलिस गाइड' अंग्रेजी में है और इसे 'क्विक रिस्पॉन्स (क्यूआर) कोड' को 'स्कैन' करके देखा जा सकता है। इसमें तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक सभी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है। इस पोर्टल में पुलिस हेल्पलाइन नंबर, पुलिस थानों के फोन नंबर, स्वास्थ्य सेवाएं, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी), एम्बुलेंस, फायर सर्विस, खाद्य सुरक्षा और देवस्वओम कार्यालय के नंबर भी दिए गए हैं।

पोर्टल पर दक्षिण काशी के नाम से मशहूर सबरीमला की पौराणिक कथा और इतिहास, विभिन्न त्योहारों तथा 'इरुमुदिकेट्टू' का विस्तृत विवरण भी दिया गया है। इसके अलावा, इसमें वाहन पार्किंग स्थल, प्रत्येक जिले से सबरीमला के लिए मार्ग (हवाई, रेल और सड़क मार्ग), ठहरने के स्थान, जिले के सभी पुलिस थाने और दर्शन मार्ग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंदिर के मार्ग पर स्थित सोपानम, मलिकप्पुरम, अझी और अरावाना काउंटर सहित अन्य स्थानों की जानकारी भी गूगल मानचित्र पर उपलब्ध कराई गई है। वहीं इसमें मौसम के पूर्वानुमान की जानकरी भी उपलब्ध कराएगा। यहां 16 नवंबर को मलयालम माह वृश्चिकम के पहले दिन से 41 दिवसीय तीर्थयात्रा शुरू हो गई है।

न्यायालय का तमिलनाडु विस अध्यक्ष से जुड़ी अन्नाद्रमुक नेता की याचिका पर विचार से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) अधिवक्ता विंग के संयुक्त सचिव एम बाबू मुरुगवेल की उस याचिका पर विचार करने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया, जिसमें तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु के खिलाफ मानहानि की शिकायत को खारिज करने के आदेश को चुनौती दी गई।

न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने शिकायत को खारिज करने के मद्रास उच्च न्यायालय के 25 अक्टूबर, 2023 के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, दलबदल रोधी कानून है जो दर्शाता है कि हमारे लोकतंत्र और राजनीतिक व्यवस्था में ऐसी घटनाएं होती हैं। आप ऐसा कह रहे हैं जैसे कुछ अजीब हुआ है। हमारे पास ऐसी चीजों से निपटने के लिए दलबदल रोधी कानून है। मुरुगवेल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि अप्पावु ने नवंबर 2023 में एक पुस्तक विमोचन समारोह में यह दावा करके अन्नाद्रमुक को बदनाम किया कि पार्टी के 40 विधायक दिसंबर 2016 में दिवंगत नेता जे जयललिता के निधन के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल होने वाले थे।

मुरुगवेल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस नागमुथु ने कहा कि कथित बयान से पार्टी की साख प्रभावित हुई है। हालांकि पीठ के उनकी दलीलों से प्रभावित नहीं होने के बाद उन्होंने याचिका वापस ले ली और मामले को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया गया। आरोप लगाया गया कि अप्पावु ने इस भाषण के माध्यम से भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत मानहानि का अपराध किया। उच्च न्यायालय ने शिकायत को खारिज कर दिया था।

न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही रद्द की

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के खिलाफ दिसंबर 2020 में प्रेस वार्ता के दौरान उनके कथित मानहानिकारक बयानों को लेकर चेन्नई स्थित मुरासोली ट्रस्ट द्वारा दायर की गई शिकायत पर आपराधिक मानहानि की कार्यवाही को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने यह आदेश तब पारित किया जब मुरुगन के वकील ने कहा कि नेता का कभी ट्रस्ट को बदनाम करने या उसकी प्रतिष्ठा को कोई नुकसान पहुंचाने का इरादा नहीं था।

पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के पांच सितंबर 2023 के आदेश को खारिज कर दिया जिसमें मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। शीर्ष अदालत का यह आदेश केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मुरुगन की उस अपील पर आया है, जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी।

एनआईए ने भाजपा नेता की हत्या के मामले में तमिलनाडु, कर्नाटक में कई जगहों पर छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता प्रवीण नेत्तारू की हत्या के मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कर्नाटक और तमिलनाडु में कई स्थान पर छापे मारे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है।

बयान में कहा गया है कि 26 जुलाई, 2022 को दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारी गांव में मोटरसाइकिल से आए प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) के दो सदस्यों ने कर्नाटक की भाजपा युवा मोर्चा जिला कार्यकारी समिति के सदस्य की हत्या कर दी थी।

एनआईए ने कहा कि हत्या का उद्देश्य समाज के एक विशिष्ट वर्ग में डर पैदा करना था। मामले में फरार आरोपियों, संदिग्धों और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों में छापेमारी की गई। चार अगस्त, 2022 को स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच एनआईए को सौंप दी थी। छापेमारी के दौरान कई डिजिटल उपकरण और अपराध में इस्तेमाल हुए दस्तावेज जब्त किए गए। एनआईए ने मामले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।

छापेमारी के दौरान डिजिटल उपकरण और अपराध में इस्तेमाल हुए दस्तावेज जब्त किए गए। एनआईए ने मामले में अब तक गिरफ्तार किया है 19 लोगों को

बयान में कहा गया है, एनआईए ने अब तक चार फरार आरोपियों समेत 23 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। सात फरार आरोपियों के खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी करने के साथ–साथ ईनाम भी घोषित किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम 16 स्थानों पर छापे मारे गए।

प्रियांक खरगे ने ईडी पर रिपोर्ट लीक करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लोकायुक्त को पत्र भेजने और रिपोर्ट को चुनिंदा मीडिया में लीक करने को लेकर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंक खरगे ने बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह सब राजनीतिक मंशा से किया जा रहा है और यह कार्रवाई पूरी तरह से केंद्र सरकार के दबाव में की जा रही है। प्रियांक खरगे ने कहा कि ईडी अब एक गुलाम निदेशालय बन चुका है। ईडी की ओर से लगाए गए तमाम आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। सबसे पहले, यह समझने की जरूरत है कि ईडी के पास यह अधिकार कैसे आया कि वह नोटिफिकेशन, सेल डीड, गिफ्ट डीड और अपराध की आय पर बात करे। उन्होंने कोई ठोस जांच नहीं की है और जो भी रिपोर्ट सामने आई है, वह पूरी तरह से बनावटी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी ने जानबूझकर रिपोर्ट को लोकायुक्त और मीडिया में लीक किया है। रिपोर्ट का समय खुद ही सवाल खड़ा करता है। कल उच्च न्यायालय में एक महत्वपूर्ण मामला है और आज यह रिपोर्ट सार्वजनिक हो गई। यह साफ–साफ दिखाता है कि ईडी का इरादा केवल राजनीतिक नुकसान पहुंचाना है।

भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना उप–प्रमुख एयर मार्शल एसपी धारकर ने गुरुवार को बेंगलूरु में एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान (आईएएम) में भारतीय एयरोस्पेस मेडिसिन सोसायटी (आईएसएएम) के 63वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय 'अनुसंधान के लिए सहयोग' है। वायुसेना उप–प्रमुख ने अपने उद्घाटन भाषण में रक्षा बलों में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने में सहयोग के महत्त्व पर जोर दिया। उन्होंने एयरोस्पेस मेडिसिन में युवा अकादमिक उपलब्धि हासिल करने वालों को भी सम्मानित किया। एयर मार्शल राजेश वैद्य ने वायुसेना में चिकित्सा सेवाओं की विभिन्न सहयोगी उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए अध्यक्षीय भाषण दिया।

एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी स्मारक व्याख्यान, आईआईटी मद्रास की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस और इसरो के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम निदेशालय (डीएचएसपी) की पूर्व निदेशक डॉ. वीआर ललिताम्बिका ने दिया।

'अगली बड़ी छलांग : भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान' कार्यक्रम पर मेरे विचार' विषय पर बोलते हुए, उन्होंने प्रतिनिधियों को अंतरिक्ष क्षेत्र से परिचित कराया। साथ ही उन्हें मानव अंतरिक्ष अन्वेषण में देश के अग्रणी कदमों के बारे में बताया।

डॉ. नरेश त्रेहान, विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) और सैयद किरमानी ने सम्मेलन के पूर्व संस्करणों में प्रतिष्ठित व्याख्यान दिए। एयर वाइस मार्शल एमएम श्रीनागेश मेमोरियल व्याख्यान विंग कमांडर कार्तिक कल्याणराम (सेवानिवृत्त) द्वारा ऋषि वैली ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र से दिया गया। सम्मेलन में विमानन चिकित्सा, अंतरिक्ष फिजियोलॉजी एवं चिकित्सा तथा हाई एल्टीट्यूड फिजियोलॉजी जैसे विविध विषयों पर वैज्ञानिक विचार–विमर्श किया गया।

श्रीलंकाई नौसेना ने 14 और भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने कहा है कि श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में 14 और भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है तथा मछलियां पकड़ने वाली दो नौकाएं जब्त की गई हैं। ये गिरफ्तारियां बुधवार को उत्तरपूर्वी जिले मन्नार के तट पर हुईं। नौसेना ने बताया कि इस गिरफ्तारी के साथ ही इस वर्ष अब तक 529 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 68 नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। सोमवार को श्रीलंका की नौसेना ने वेट्टिलाइकेरनी में 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

सीआईएसएफ ने ई-सर्विस बुक पेंशन का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने पेंशन और सेवा प्रबंधन हेतु हॉल ही में ई सर्विस बुक का शुभारंभ किया है। ई–सर्विस के शुभारंभ से सेवानिवृत कर्मचारियों हेतु पेंशन का वितरण उनकी ट्रैकिंग में परिदृश्यता सुनिश्चित हो सकेगी। इस सेवा का लाभ सेवानिवृत कर्मचारियों के साथ सेवारत कर्मचारियों तक ऑनलाइन पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी।

यूरोग्रिप टायर्स ने एम एस धोनी को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। टायर बनाने वाली कंपनी यूरोग्रिप टायर्स ने क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान धोनी यूरोग्रिप ब्रांड और उसके सभी उत्पादों का प्रचार करेंगे। यूरोग्रिप, टीवीएस यूरोग्रिप और टीवीएस टायर्स की विनिर्माता कंपनी टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड की स्थापना 1982 में हुई थी। यह तीन अरब अमेरिकी डॉलर की टीवीएस मोबिलिटी के प्रमुख खंड के रूप में काम करती है।

टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड के कार्यकारी उपाध्यक्ष (ईवीवी) पी. माधवन ने कहा, हम एम. एस. धोनी का स्वागत करते हुए खुश हैं... एक ऐसी शख्सियत जो यूरोग्रिप टायर्स की विश्वसनीयता तथा प्रदर्शन के मूल्यों से मेल खाती है...।

मैं सिद्दरामय्या के पीछे चट्टान की तरह खड़ा हूं : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। यहां समारोह में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मैंने मैसूरु में भी कहा था कि मैं सिद्दरामय्या के पीछे चट्टान की तरह अडिग खड़ा रहूंगा। मैं अभी भी वहीं हूं, कल भी वहीं रहूंगा। मैं मरने तक रहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं जहां भी काम करता हूँ, ईमानदारी से काम करना मेरा कर्तव्य है।

शिवकुमार ने हासन में आयोजित जन कल्याण सम्मेलन में कांग्रेस पार्टी के जन–समर्थक कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस की ताकत देश की ताकत है, कांग्रेस का इतिहास देश का इतिहास है। उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस सत्ता में आती है तो सभी वर्ग सत्ता में आते हैं। 25 वर्षों के बाद, आज हासन से कांग्रेसी सांसद चुना गया है। दुखी माताओं की रक्षा के लिए श्रेयस पटेल को उनकी आवाज के रूप में चुनने पर सभी को बधाई।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में सौ फीसदी सत्ता में वापसी करेंगे। सरकार अपनी पांच गारंटी के द्वारा जनता की सेवा कर रही है। संदूर, शिग्गावी, चन्नापट्टना में लोगों ने भाजपा और जेडीएस के झूठ का जवाब दिया है। हमने रामनगर में चार–चार, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, कोडागु, चिक्कमगलूर में छह–छह सीटें जीती हैं और हमें विश्वास है कि हम हासन में भी अधिक सीटें जीतेंगे। आपको इसमें सहयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हासन का इतिहास दर्दनाक है। कई राजनेताओं ने परिवारों की आंखों में आंसू ला दिए हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि हसनांबे मां उन आंसुओं को पोंछ दें। हमने इन माताओं के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए इस सम्मेलन का आयोजन किया है।' यह हासन का एक महान इतिहास है।

उपमुख्यमंत्री ने जदएस और भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ाजी कांग्रेस पार्टी के समर्थन से देश के प्रधानमंत्री बने। भाजपा के समर्थन से कुमारस्वामी ने 20 महीने कर्नाटक पर राज्य किया। फिर कांग्रेस के समर्थन से वह 14 महीने तक मुख्यमंत्री रहे। इस उपचुनाव में हमने जनता के सामने कुछ सवाल रखे। जिसे जनता से सुना और अपने दिल की आवाज सुनी। कांग्रेस सरकार के दौरान अनेक योजनाओं के तहत जनता लाभान्वित हो रही है।अब हमारी सरकार ने पांच गारंटी योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि हम जीवन से ऊपर राजनीति करते हैं। भावनाओं, धर्मों पर राजनीति न करें। हमारी शक्ति नाशवान है। लेकिन कांग्रेस पार्टी की उपलब्धि उल्लेखनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता ही भगवान होता है। यह लोगों के कल्याण और जीत की गारंटी का सम्मेलन है।

मैं भाजपा पार्टी के नेताओं से कहना चाहता हूं कि आपकी साजिश सफल नहीं हुई है। लोग आपकी चाल का उत्तर पहले ही दे चुके हैं। कल्याण कर्नाटक के कित्तूर कर्नाटक के शिग्गावी में लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई के बेटे को हराया। पुराने मैसूर के हिस्से चन्नापट्टना में लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री के पोते, पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे को स्वीकार नहीं किया है। लोग आपको दोबारा स्वीकार नहीं कर सकते। कुमारस्वामी और देवेगौड़ा ने कहा कि वे उपचुनाव के दौरान छह महीने में इस सरकार को हटा देंगे। हमारी सरकार हासन में उगने वाला कोई आलू का पौधा नहीं है जिसे देवेगौड़ा उखाड़ दें। यह 138 विधायकों के समर्थन वाली सरकार है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल ''अनैथु कलैवाझ मक्कल काची'' का पंजीकरण प्रस्तावित है। दल का कार्यालय 29, जगजीवनराम स्ट्रीट, करियापट्टी टाउन पंचायत, जिला–विरुदुनगर, तमिलनाडु, पिन कोड – 626 106 में स्थित है। इस दल ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अंतर्गत राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण के लिए भारत के निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है। दल के पदाधिकारियों के नाम और पते इस प्रकार हैं:

1) अध्यक्ष: आर. सरवनाकुमार, पुत्र श्री जी. रामासामी, निवासी– 1 डॉर नं. 742,टीएनएचबी कॉलोनी, विलापुरम, मदुरै, तमिलनाडु – 625 011

2) महासचिव: अलकेसन, पुत्र श्री ए. करुप्पैया, डॉर नं. 29, जगजीवनराम स्ट्रीट, करियापट्टी, विरुदुनगर, तमिलनाडु – 625 011

3) कोषाध्यक्ष: एस. अरुमुगम, पुत्र श्री समिनाथन, 1 डॉर नं. 335, टीएनएचबी कॉलोनी, विलापुरम, मदुरै, तमिलनाडु – 625011

यदि किसी को ''अनैथु कलैवाझ मक्कल काची'' के पंजीकरण पर कोई आपत्ति है तो वे इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर सचिव (राजनीतिक दल) भारत का निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली–110 001 को कारणों सहित अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

आयुर्वेद के भारतीय ज्ञान को युगानुकूल बनाते हुए इसका वैश्विक प्रसार हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि आयुर्वेद के भारतीय ज्ञान को युगानुकूल बनाते हुये इससे जुड़ी दुर्लभ औषधियों का पेटेंट, प्रमाणीकरण और इससे जुड़े स्वास्थ्यवर्धक गुणों का अधिकाधिक प्रसार किया जाए। बागड़े गुरुवार को जोधपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'आयुर्वेदिक औषधि मानकीकरण-चुनौतियां और समाधान' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने आयुर्वेदिक औषधियों पर शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ असाध्य रोगों में भी इनके उपयोग के परीक्षण और प्रसार की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक औषधियों की ब्रांडिग और पैकेजिंग भी इस तरह से हो कि वह इस्तेमाल के लिए आकर्षित करे।

उन्होंने इनके विपणन की कारगर नीति बनाने पर जोर दिया। उन्होंने प्राचीन भारतीय आयुर्वेद ज्ञान की चर्चा करते हुए आत्रेय, चरक, सुश्रुत आदि द्वारा प्रवर्तित चिकित्सा प्रणालियों के उपयोग और संभावनाओं पर कार्य करने पर जोर देते हुये कहा कि हमारे आयुर्वेद के महान ज्ञान को सुनियोजित तरीके से देश से बाहर ले जाया गया। उस ज्ञान में कुछ हेर-फेर करके उसे अपना बनाने के प्रयास निरंतर हुए। इसलिए यह जरूरी है कि जो उपलब्ध ज्ञान हमारा है, आयुर्वेद की दुर्लभ औषधियां हैं-उनके पेटेंट की दिशा में निरंतर कार्य हो।

बागड़े ने नालंदा विश्वविद्यालय में आयुर्वेद के महान ज्ञान से जुड़ी किताबों की चर्चा करते हुये कहा कि बख्तियार खिलजी ने देश के उस महान ज्ञान को सदा के लिये समाप्त करने की नीयत से नालंदा पुस्तकालय में आग लगा दी, पर भारतीय ज्ञान को कोई मिटा नहीं सका है। उन्होंने आयुर्वेदाचार्यों से आग्रह किया कि वे प्राचीन भारतीय ज्ञान की धरोहर को जनजन तक सुलभ करायें।

उन्होंने औषधीय प्रयोजनों के लिये जड़ी-बूटियों के उपयोग और लिखित ग्रंथों के महत्व पर भी कार्य करने का आह्वान किया। इससे पहले बागड़े ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत बने होम्योपैथी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।

गहलोत ने चिकित्सा योजनाओं को लेकर भाजपा सरकार पर साधा निशाना

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी इन योजनाओं में बाधा खड़ी कर अपनी जनविरोधी सोच उजागर कर रही है। गहलोत ने 'एक्स' पर इस मुद्दे को उठाते हुए लिखा, पहले सरकारी कार्मिकों एवं पेंशनरों को इलाज करवाने के लिए तमाम कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी। स्वास्थ्य की परेशानियों से जूझते हुए यह कागजी कार्रवाई इलाज की प्रक्रिया को जटिल और कष्टप्रद बना देती थी।

उन्होंने लिखा, हमारी सरकार ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) लागू की, जिससे नकदी रहित एवं कागज रहित तरीके से जल्द से जल्द इलाज मिल सके।

भाजपा विधायक ने जनसुनवाई के दौरान वन विभाग के कर्मचारी को डांट लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दौसा जिले के लालसोट विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राम बिलास मीणा ने बुधवार को जनसुनवाई के दौरान वन विभाग द्वारा ग्रामीणो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को लेकर विभाग के एक कर्मचारी को डांट लगाई। वन विभाग की ओर से सात आठ ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एससी/एसटी अधिनियम) के तहत मामला दर्ज करवाने से नाराज मीणा ने बताया उन्होंने विभाग के रेंजर को मुकदमा वापस लेने को कहा है।

उन्होंने बताया कि रेंजर राधेश्याम रैगर ने सात-आठ ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और एससी/ एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करवाया था। मीणा ने बताया कि मुकदमा वापस लेने के लिये मेरे पास संदेश आया है।

उन्होंने बताया कि सड़क के नजदीक ग्रामीणों का एक खेत था। ग्रामीणों ने खेत और सड़क के बीच में गड्ढों में मिट्टी डलवा दी। इसकी वजह से सड़क किनारे वन विभाग की ओर से लगाये गये पौधे हट गये थे। ग्रामीणों ने विभाग को आश्वासन दिया था कि वे पौधे लगवा देंगे। विधायक ने बताया कि विभाग के कर्मियों द्वारा ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने की दो घटनाएं हो चुकी हैं। विधायक द्वारा वन विभाग के कर्मचारी को डांटने का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वह कथित तौर पर कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, आप कल जाकर इनको वापस करोगे नौकरी करनी है तो।

मीणा यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, दोनों मुकदमें वापस नहीं हुए तो मैं परसों आफिस में आकर आपको विदा करूंगा साफा पहना कर तिलक लगाकर। वन विभाग की ओर से एक और पांच दिसबंर को अवैध खनन, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज और मारपीट के दो मुकदमें दर्ज कराये गये।

पहला मामला एक दिसंबर को रामगढ़ पचवारा थाने में वन विभाग की सहायक वनपाल हेमलता मीणा ने दर्ज कराया था। यह सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और गाली गलौज से जुड़ा था। दूसरा मामला पांच दिसबंर को रेंजर राधेश्याम रैगर ने इसी थाने में दर्ज कराया था। उन्होंने अवैध खनन और वनकर्मियों से मारपीट का मामला दर्ज कराया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मुद्दा राजनयिक तरीके से उठाए भारत सरकार : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सरकार को बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मुद्दा राजनयिक तरीके से उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंसा और किसी को निशाना बनाकर हमला किया जाना सहन नहीं किया जा सकता। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्तारूढ़ सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में सत्ता के कई केंद्र बन गए हैं और जनता का उससे मोहभंग हो चुका है।

पायलट ने अपने विधानसभा क्षेत्र टोंक में लोगों से मुलाकात की। वह पार्टी के एक कार्यकर्ता के घर पर रुके और उनके साथ भोजन किया। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर संवाददाताओं से कहा, किसी भी देश में हिंसा होना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। जब लोगों को निशाना बनाकर मारा जाता है या उन पर जानबूझकर आक्रमण किया जाता है तो उसे कोई स्वीकार नहीं कर सकता है। अगर वहां पर हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं तो भारत सरकार को निश्चित रूप से यह मुद्दा उठाना चाहिए।

पायलट ने कहा, हम किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते। हम भी चाहते हैं कि कोई हमारे मामलों में हस्तक्षेप न करे लेकिन अगर हमारे पास की सीमा पर इस तरह की घटनाएं होती हैं तो हम लोगों को बड़ा दुख होता है। राजनयिक तरीके से बात उठाकर सरकार को सचेत करना पड़ेगा कि अगर ऐसे मारामारी होगी तो गलत संकेत जाता है। उन्होंने हमलों की निंदा की और कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से रोका जाना चाहिए।

उन्होंने प्रदेश की भजनलाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता का एक साल में ही सरकार से मोहभंग हो चुका है। कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार में जो मंत्री हैं उनकी बात को नहीं सुना जा रहा। प्रशासन-पुलिस काबू में नहीं हैं। अफसरशाही हावी है तो सरकार को अपने आंख व कान खोलने चाहिए। 12 महीने हो गए हैं और यह सरकार अपने काम से जनता के दिमाग पर कोई मोहर लगा नहीं पाई है। मैंने बहुत कम देखा है कि इतनी जल्दी लोगों का सरकार से मन उठ जाए।

उन्होंने कहा, एक साल हो गया है ग्रामीण इलाकों में निर्माण ठप पड़ा है। बजट घोषणाएं पूरी नहीं की। चार लाख नौकरी का वादा किया था, कितनी नौकरी मिली हैं? किसान परेशान हैं, कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। सरकार का नियंत्रण नहीं है। सत्ता के कई केंद्र बन चुके हैं। पायलट ने कहा कि वह कल रात पार्टी कार्यकर्ता रतन बैरवा के घर रुके और खाना खाया। उन्होंने कहा कि यह यादगार अनुभव था।

कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का केस दर्ज, महिला इंस्पेक्टर ने लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के महेश नगर थाने की महिला इंस्पेक्टर कविता शर्मा ने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस का कहना है कि यह मामला मंगलवार देर रात का है। जयपुर के महावीर नगर में मंगलवार की रात एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने राजनीति और पुलिस प्रशासन के बीच की खाई को उजागर कर दिया। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और महिला इंस्पेक्टर कविता शर्मा के बीच हुआ यह विवाद अब केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा। घटना तब शुरू हुई जब सीआई कविता शर्मा उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई करने एक मकान पर पहुंची थीं। वहां, एक लड़की को पुलिस गाड़ी में बिठाने की कोशिश की गई। तभी, अचानक मंत्री मीणा वहां आ धमके। उन्होंने सीआई पर छात्रों के परिवारों को परेशान करने का आरोप लगाया।

माहौल गर्म हो गया। मंत्री और पुलिसकर्मी के बीच शब्दों की लड़ाई छिड़ गई। मंत्री ने कहा, यह मेरा आदमी है। तुम यहां क्या कर रही हो? मैं तुम्हारे खिलाफ केस दर्ज करवाऊंगा। विवाद इतना बढ़ गया कि मंत्री के साथ आए लोगों ने पुलिस गाड़ी में बैठी लड़की को नीचे उतार लिया और इस पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। इसके बाद बुधवार को मंत्री मीणा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम से मिले और सीआई पर फर्जी तरीके से नौकरी पाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वह जल्द ही सबूत पेश करेंगे।

वहीं, सीआई कविता शर्मा का कहना है कि वह सिर्फ अपनी ड्यूटी कर रही थीं। अगर मैं वहां नहीं जाती, तो मेरी जिम्मेदारी पर सवाल उठते, उन्होंने कहा। यह मामला अब पुलिस और राजनीति के बीच तनातनी का रूप ले चुका है। देखना यह है कि इस विवाद का अंत कब और कैसे होता है। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का कहना है कि पुलिस ने ड्ख भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे छात्रों के परिवारों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा, छात्र नेता विकास विधूड़ी के घर पुलिस गई और उसके परिवार को परेशान किया। यह सरासर अन्याय है। सीआई कविता शर्मा ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वह उच्च अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई कर रही थीं। इसी दौरान मंत्री मीणा वहां पहुंचे और हस्तक्षेप करने लगे। मंत्री के साथ आए कुछ लोगों ने पुलिस गाड़ी में बैठी लड़की को जबरदस्ती उतार लिया। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा आज सीआई कविता शर्मा के खिलाफ सबूत प्रस्तुत कर सकते हैं। वहीं, पुलिस विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रदर्शन

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ जयपुर के बड़ी चौपड़ पर विधायक गोपाल शर्मा के साथ लोग विरोध प्रदर्शन करते हुए ।

बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी दस्तावेजों पर आवंटित दो फ्लैट रद्द

जयपुर/दक्षिण भारत । भांकरोटा थाना क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे 11 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया। साथ ही, इन नागरिकों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) से आवंटित दो फ्लैटों का आवंटन भी रद्द कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अमित कुमार, आईपीएस ने जानकारी दी कि 20 अक्टूबर 2024 को मुखबिर की सूचना पर भांकरोटा थाना क्षेत्र में रहने वाले संदिग्ध बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त हेमेंद्र शर्मा के निर्देशन में एक संयुक्त टीम गठित की गई, जिसने जांच के बाद 6 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों और उनके एक भारतीय सहयोगी को गिरफ्तार किया।

इन संदिग्धों के पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र, फर्जी भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद हुए। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों में सुहाग खान और नाजु फकीर मुख्य आरोपी हैं। उनके भारतीय सहयोगी फिरोज को भी गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य आरोपी मोहम्मद आमिर उर्फ राजा फरार है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मिला फ्लैट : इन आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए जयपुर विकास प्राधिकरण की बीएसयूपी योजना के तहत दो फ्लैट आवंटित करवाए थे।

संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार करने के बाद उनकी जांच में यह पुष्टि हुई कि वे अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। इसके बाद गृह विभाग की अनुमति से उन्हें अलवर डिटेंशन सेंटर भेजा गया और फिर 24 नवंबर को बीएसएफ की मदद से पश्चिम बंगाल के अमुडिया बॉर्डर से बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया।

निर्माणाधीन ईसरदा बांध का काम आगामी जनवरी तक पूरा होने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विषम भौगोलिक परिस्थितियों में पेयजल आपूर्ति एक बहुत बड़ी चुनौती के बीच मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में सभी को समुचित मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है और इसके तहत दौसा और सवाईमाधोपुर जिलों में जीवनदायिनी साबित होने वाले निर्माणाधीन ईसरदा बांध के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है और अगले वर्ष के शुरुआती महीना जनवरी तक इसका काम पूरा कर लेने की उम्मीद हैं। राज्य के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के अनुसार राज्य सरकार ने इस पर गंभीरता से विचार कर निर्णय लिया है कि टोंक जिले में स्थित बीसलपुर बांध के डाउनस्ट्रीम में उनियारा तहसील के बनेठा गांव के पास निर्माणाधीन ईसरदा बांध का कार्य आगामी जनवरी तक पूरा कर लिया जाये। रावत ने बताया कि ईसरदा बांध परियोजना की लागत 1038 करोड़ रुपए है और अब तक इसके विरुद्ध 823 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इस परियोजना के लिए बांध एलाईनमेंट एवं डूब क्षेत्र में आने वाले गांवों की भूमि एवं परिसम्मपति की अवाप्ति के लिए 95 करोड़ रुपए के अवार्ड जारी किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त चारागाह भूमि आदि पर रह रहे ग्रामीणों के पुर्नव्यवस्थापन के लिए 6.91 करोड़ रुपए की स्वीकृत की गई हैं। संबंधित खातेदारी को कुल मुआवजा 102.50 करोड़ रुपए रुप में से 89.76 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही पुनर्वास के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि आवंटित की जा चुकी है एवं आवंटित भूमि पर विस्थापितों के लिए कोलोनियों का प्लान तैयार कर आवश्यक सुविधाओं के लिए निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

ईसरदा बांध से दोनों जिलों के 1256 गांवों एवं छह शहरो के निवासियो को पेयजल उपलब्ध कराया जाना संभव हो सकेगा। ईसरदा बांध दौसा और सवाईमाधोपुर जिले के लिए जीवनदायिनी साबित होगा और इसका उद्देश्य बीसलपुर बांध की पूर्ण भराव क्षमता के बाद बांध से अधिशेष जल है जो कि बनास नदी में व्यर्थ में बह जाता है, बीसलपुर बांध के डाउनस्ट्रीम में व्यर्थ बहने वाले पानी का संग्रहण करके पेयजल के लिए उपलब्ध कराने के लिए ही ईसरदा बांध की योजना बनाई गई हैं। इस परियोजना से दौसा जिले के 1079 गांव एवं पांच शहर एवं जिला सवाईमाधोपुर के 177 गांव एवं एक शहर को पेयजल आपूर्ति की जानी है।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने हिंगोनिया गौशाला में की गौ सेवा और पूजन

जयपुर/दक्षिण भारत । जयपुर समारोह-2024 के अंतर्गत 18 नवंबर से हो रहे कार्यक्रमों की श्रृखंला के अन्तर्गत गुरूवार को महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने हिंगोनिया गौ-पुर्नवास केन्द्र पर गौ पूजन एवं गौ सेवा कार्यक्रम में भाग लिया।

महापौर ने सर्वप्रथम शिव मंदिर में पूजा अर्चना की तत्पश्चात गौ पूजन कर गायों को गुड़ एवं हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर चैयरमेन रमेश चन्द्र सैनी सहित अन्य पार्षदगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं हिंगौनिया से जुड़ी महिलायें भी मौजूद रही।

महापौर ने गाय के बछड़ों को दूध पिलाकर दूलार भी किया साथ ही बाड़ों में जाकर गायों की स्थिति भी देखी। बीमार एवं जिन गायों की सर्जरी हो चुकी है उनके भी देखभाल के निर्देश दिये। महापौर ने बलराम सेवा ट्रस्ट को निर्देश दिये कि सर्दियों को देखते हुये गायों के लिये उचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाये साथ ही साफ-सफाई, उचित समय पर चारा, पानी समेत अन्य व्यवस्थाओं को भी सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने गौशाला में आधुनिक तकनीकों और प्रबंधन प्रणाली को लागू करने का भी सुझाव दिया जिससे व्यवस्थाऐं और अधिक प्रभावित हो सके।

नदी में चार मगरमच्छों के मृत पाए जाने के बाद बढ़ी चिंता

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले से गुजरती चंद्रलोई नदी में गत दो दिनों में चार मगरमच्छों की मौत से वन्यजीव कार्यकर्ताओं की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने इन मौतों के लिए नदी में उच्च स्तर के प्रदूषण को कारण बताया है। अधिकारियों ने बताया कि मगरमच्छों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची-1-सी में सूचीबद्ध किया गया है।

पशु चिकित्सकों ने 15 वर्षीय एक मादा मगरमच्छ की मौत के पीछे संदिग्ध जहर को जिम्मेदार ठहराया है। बुधवार को यहां उसका पोस्टमार्टम किया गया। उन्होंने बताया कि मादा मगरमच्छ के शरीर पर किसी भी आंतरिक या शारीरिक चोट या बीमारी का कोई संकेत नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चंद्रशेल मठ के पास रामखेड़ी गांव में चंबल नदी की सहायक नदी से लगभग सात फुट लंबी मादा मगरमच्छ के अवशेष को बरामद किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी, भूटान नरेश ने 'उत्कृष्ट' द्विपक्षीय साझेदारी को और विस्तारित करने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और भूटान ने दोनों देशों के बीच ''उत्कृष्ट'' साझेदारी को सभी क्षेत्रों में और मजबूत करने का बृहस्पतिवार को संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक को हिमालयी राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए नई दिल्ली की मजबूत प्रतिबद्धता से अवगत कराया।

वांगचुक दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे और इसके तुरंत बाद उन्होंने तथा मोदी ने स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी, व्यापार और निवेश, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी सहित विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए वार्ता की।

दोनों नेताओं ने 'गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी' पहल पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जो भूटान के विकास को गति देने और भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए वांगचुक द्वारा आगे बढ़ाई जा रही एक दूरदर्शी परियोजना है। हवाई अड्डे पर भूटान नरेश की अगवानी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने की, जो भूटानी नेता की यात्रा को भारत द्वारा दिए गए महत्व को दर्शाता है। भूटान के नरेश के साथ रानी जेटसन पेमा वांगचुक और भूटान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी हैं। वार्ता के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने भूटान नरेश और रानी के सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया। भारत सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''बैठक ने भारत और भूटान के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को रेखांकित किया, जो आपसी विश्वास, सहयोग और गहन समझ की भावना को दर्शाता है, जो दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करता है।'' इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री और भूटान के नरेश ने द्विपक्षीय संबंधों की उत्कृष्ट स्थिति पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें विकास सहयोग, स्वच्छ ऊर्जा भागीदारी, व्यापार और निवेश, अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी सहयोग, और लोगों के बीच संबंध शामिल हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रों में इस उत्कृष्ट साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री ने भूटान में आर्थिक विकास के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई। भूटान को उसकी 13वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए भारत के विकास समर्थन को दोगुना करने पर प्रकाश डाला।''

प्रदर्शनकारी किसानों को कृषि मंत्री से बातचीत करनी चाहिए : कमलेश पासवान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के हित में कई कदम उठाए हैं और अगर कोई समस्या है तो उन्हें कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात करनी चाहिए। पासवान ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मोदी सरकार ने किसानों के लिए जितना किया है, उतना किसी अन्य सरकार ने नहीं किया। हमने उनकी हर क्षेत्र में मदद की है।''

उन्होंने कहा, ''मेरी निजी राय है और मैं उनसे आग्रह करूंगा कि हमारे कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी बहुत सुलभ व्यक्ति हैं, जो कोई भी किसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए उनसे मिलना चाहता है, तो उसके वास्ते चर्चा करने के लिए इससे बेहतर कोई और जगह नहीं हो सकती।'' उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन जोकि दूसरों की परेशानी का सबब बनते हैं, मदद नहीं करेंगे। 'इसका समाधान केवल बातचीत से ही हो सकता है।'

पीएम-किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि 9.3 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ रुपए मिले हैं। साथ ही उन्होंने चालू वित्त वर्ष में घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का उल्लेख किया।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से किसान सरकार द्वारा अधिग्रहित अपनी जमीनों के लिए उचित मुआवजे की मांग करते हुए सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी तक मार्च करने की योजना के साथ नोएडा-दिल्ली सीमा पर पहुंचे, लेकिन उन्हें रोक दिया गया।

किसानों के धरना प्रदर्शन से उद्योग-धंधे प्रभावित, यातायात में फंसे लोग हुए परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में किसानों के धरना-प्रदर्शन की वजह से स्थानीय लोगों, स्कूली बच्ची को स्कूल और कर्मचारियों को अपने कार्यालय पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

धरना-प्रदर्शन की वजह से लगे जाम में एंबुलेंस भी काफी देर तक फंसी रही और उद्योग धंधों को कच्चे माल की समय पर आपूर्ति नहीं हो सकी, जिसकी वजह से करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ। जाम में फंसे लोग पुलिस से भी उलझते नजर आए।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) संगठन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नाहटा ने कहा कि किसानों द्वारा किए जा रहे धरना-प्रदर्शन के कारण करीब तीन दिन से उद्योग धंधे चौपट हैं। उन्होंने कहा कि जगह-जगह पर किसानों के धरने की वजह से अवरोधक लगे हुए हैं, जिसकी वजह से उद्योग धंधों में काम करने वाले मजदूर समय से नहीं पहुंच पा रहे हैं।

नाहटा ने कहा कि कच्चे माल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है तथा उद्योगपति अगर अपने संस्थान में जाना चाहता है तो उसे पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को किसानों से बातचीत करके उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द हल निकाल लेना चाहिए ताकि आए दिन होने वाले धरना-प्रदर्शन के कारण आम जनता को हो रही परेशानी को दूर किया जा सके।

उद्योगपति अभिषेक जैन ने कहा कि किसानों के धरना-प्रदर्शन के कारण उनके कारखाना में उत्पादन काफी प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि धरना-प्रदर्शन के कारण कच्चे माल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है और उनके यहां काम करने वाले मजदूर समय से नहीं पहुंच पा रहे है। जैन ने कहा कि आधे मजदूर ही काम पर आ पा रहे हैं और तैयार माल भी नोएडा से बाहर भेजने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिहार विधानपरिषद उपचुनाव: मतदान केंद्र पर हर पांचवें मतदाता के पिता का एक ही नाम

मुजफ्फरपुर/भाषा। बिहार विधान परिषद के एक निर्वाचन क्षेत्र में बृहस्पतिवार को हुए उपचुनाव में एक मतदान केंद्र में मतदान करने पहुंचे लगभग हर पांचवें मतदाता के पिता का नाम एक ही था। अधिकारियों ने माना कि यह मतदाता सूची में एक 'विसंगती' है हालांकि इससे तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान प्रक्रिया प्रभावित नहीं हुई। उपचुनाव में 18 उम्मीदवार मैदान में थे।

तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, वैशाली और शिवहर जिलों के 197 बूथों पर 1.5 लाख से अधिक मतदाता मतदान के लिए पात्र थे। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त ने बताया कि मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड में यह विसंगति सामने आई, जहां एक मतदान केंद्र पर 724 मतदाताओं में से 138 के पिता का नाम 'मुन्ना कुमार' बताया गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया था, तकनीकी कारणों से हुई इस विसंगति के कारण किसी भी मतदाता को अपने मताधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। उपचुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता देवेश चंद्र ठाकुर के इस्तीफे के कारण उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। ठाकुर इस साल हुए लोकसभा चुनाव में सीतामढ़ी से सांसद निर्वाचित हुए हैं।

देश के आर्थिक, नैतिक, सामाजिक पक्ष पर आक्रमण कर रही विदेशी ताकतें, जांच हो: त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुधांशु त्रिवेदी ने बृहस्पतिवार को विदेशी शक्तियों के भारत की व्यवस्था के आर्थिक, नैतिक और सामाजिक पक्ष पर आक्रमण करने का दावा करते हुए इसकी विस्तृत जांच की मांग उठाई।

शून्यकाल के दौरान जब त्रिवेदी यह मुद्दा उठा रहे थे तो कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष के कुछ सदस्यों ने इस बात पर आपत्ति जताई कि सत्ताधारी दल के सदस्य को तीन मिनट से अधिक का समय क्यों दिया जा रहा है। शून्य काल के दौरान प्रत्येक सदस्य को लोक महत्व से जुड़े मुद्दे उठाने के लिए तीन मिनट आवंटित किए जाते हैं। हालांकि, सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया और त्रिवेदी की ओर से उठाए जा रहे मुद्दे को 'बहुत गंभीर' बताते हुए उन्हें अपनी बात पूरी करने की इजाजत दे दी। इसे लेकर कुछ देर सदन में हंगामा हुआ और कार्यवाही भी बाधित हुई। हंगामे के कारण कार्यवाही 11 बज कर 16 मिनट पर दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

त्रिवेदी ने 'विदेश से राष्ट्रीय हितों पर संदिग्ध और सुस्पष्ट हमलों पर चिंता' विषय पर अपनी बात रखते हुए उन घटनाओं का हवाला दिया जिनमें पिछले तीन वर्षों में संसद सत्र से ठीक पहले या उसके दौरान अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा भारत से संबंधित मुद्दों को उठाया गया था। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सामरिक, आर्थिक और कूटनीतिक ताकत बनकर उभरा है, तब से देश में विदेशी शक्तियों का परोक्ष रूप से हस्तक्षेप बढ़ा है। त्रिवेदी ने कहा, ''विशेष कर विगत तीन वर्षों से जब से विकसित भारत का लक्ष्य रखा गया है, विदेश की ऐसी बहुत सी गतिविधियां हैं, जो भारत की व्यवस्था के आर्थिक, नैतिक और सामाजिक पक्ष पर आक्रमण कर रही हैं।'' उन्होंने 'ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट' की एक ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि इसे विदेशी सरकारों की फंडिंग है और इसके केंद्र में भारत भी है। त्रिवेदी ने इसके साथ ही कहा कि दावा किया गया है कि अमेरिकी उद्यमी जार्ज सोरोस का भी इस रिपोर्ट से संबंध है। भाजपा सदस्य ने कहा कि विगत तीन वर्षों में देखा गया है कि जब भी संसद का सत्र आरंभ होने को होता है तो कभी किसानों के बारे में रिपोर्ट आती है तो कभी पैगासस की तो कभी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आ जाती है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा, ''क्या यह एक संयोग है?'' उन्होंने कहा कि इसी प्रकार 20 जुलाई 2023 को भारत में संसद का सत्र शुरू होना था तब मणिपुर हिंसा का वीडियो ठीक एक दिन पहले सामने आता है।

उन्होंने कहा कि भारत में जब लोकसभा के चुनाव चल रहे थे तब इसी प्रकार कोविड के टीके को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई थी। त्रिवेदी ने कहा कि जब यह वर्तमान सत्र 25 नवंबर से प्रारंभ हो रहा था तब 20 नवंबर को अमेरिकी अदालत के एक अटॉर्नी की रिपोर्ट आती है और उसे लेकर हंगामा किया जाता है। त्रिवेदी अभी बोल ही रहे थे कि विपक्ष के कुछ सदस्यों ने इस बात पर आपत्ति जताई कि शून्यकाल में तीन मिनट से अधिक नहीं बोलने का प्रावधान होने के बावजूद सदस्य अपनी बात रखे जा रहे हैं।

पात्रा ने राहुल को 'देशद्रोही' कहा, टैगोर ने बिरला से भाजपा सांसद पर कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर भाजपा के नेता संबित पात्रा द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ कथित तौर पर निंदनीय भाषा का इस्तेमाल किए जाने पर चिंता जताई और सख्त कार्रवाई का आग्रह किया। बिरला को लिखे पत्र में टैगोर ने आरोप लगाया कि पात्रा का आचरण संसद सदस्य से अपेक्षित शिष्टाचार और नैतिकता का ''घोर उल्लंघन'' है। पात्रा लोकसभा सदस्य हैं। भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत को अस्थिर करने का प्रयास कर रही खोजी मीडिया समेत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ संबंध रखते हैं और वह देशद्रोही हैं। कांग्रेस सांसद टैगोर ने कहा कि संबित पात्रा ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अत्यधिक निंदनीय भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, ''इस तरह का व्यवहार न केवल संसद की छवि को खराब करता है, बल्कि एक उच्च संवैधानिक पद की गरिमा का भी अपमान करता है। संसद के संरक्षक के रूप में, मैं आपसे संबित पात्रा के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं।''

असम मंत्रिमंडल में सात दिसंबर को चार नए मंत्री शामिल किए जाएंगे : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सात दिसंबर को चार मंत्रियों को शामिल करके मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। इस विस्तार से मंत्रिपरिषद की संख्या बढ़कर 20 हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि निम्नलिखित सहयोगी सात दिसंबर को दोपहर 12 बजे हमारे मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। शर्मा ने कहा, इन सहयोगियों में प्रशांत फूकन, कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल, रूपेश गोआला शामिल हैं। सभी को मेरी ओर से शुभकामनाएं! ये सभी भाजपा के विधायक हैं।

झारखंड: झामुमो के छह विधायकों समेत 11 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में बृहस्पतिवार को 11 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली जिनमें छह नए चेहरे और दो महिला विधायक हैं।

इन 11 विधायकों में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के छह और कांग्रेस के चार विधायक हैं।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने यहां राजभवन के अशोक उद्यान में मंत्रियों को शपथ दिलाई।

मंत्री पद की शपथ लेने वाले झामुमो के छह विधायकों में सुदिव्य कुमार, दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, चमरा लिंडा, योगेंद्र प्रसाद और हफीजुल हसन शामिल हैं।

कांग्रेस विधायक दीपिका पांडे सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, इरफान अंसारी और राधाकृष्ण किशोर ने मंत्री पद की शपथ ली, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संजय प्रसाद यादव को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में छह नए चेहरे शामिल किए गए हैं, जबकि दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, दीपक बिरुआ और रामदास सोरेन को दूसरी बार तथा हफीजुल हसन को तीसरी बार मंत्री पद मिला है।

शपथग्रहण समारोह की शुरुआत स्टीफन मरांडी द्वारा विधानसभा के 'प्रोटेम स्पीकर' के रूप में शपथ लेने के साथ हुई।

गत सप्ताह हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद झामुमो के वरिष्ठ विधायक मरांडी को विधानसभा का 'प्रोटेम स्पीकर' नियुक्त किया गया था।

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''अब हमारा काम गति पकड़ेगा और सरकार पूरी रफ्तार से आगे बढ़ेगी।''

विपक्ष ने योगी आदित्यनाथ पर विभाजनकारी राजनीति का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'बाबर युग' वाली टिप्पणी को लेकर उन पर तीखा प्रहार किया और कहा कि वह विभाजन तथा झूठ की राजनीति कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में 43वें रामायण मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा, आप देखें कि पड़ोसी देशों में हमारे दुश्मन किस प्रकार का कृत्य कर रहे हैं। 500 वर्ष पहले बाबर के एक जनरल ने अयोध्या और संभल में जो कृत्य किए थे ठीक वैसा ही आज बांग्लादेश में हो रहा है। इन तीनों जगहों पर कृत्यों की प्रकृति और डीएनए समान है। आदित्यनाथ की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने कहा कि उनकी भाषा एक मुख्यमंत्री के अनुरूप नहीं है। यह आश्चर्यजनक और दुखद है कि भाजपा के एक बड़े नेता और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री होने के नाते वह ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं जिसका उद्देश्य लोगों को विभाजित करना है। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने बांग्लादेश और उत्तर प्रदेश के संभल के घटनाक्रम पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''निर्दोष लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पांच लोग मारे गए हैं और विपक्ष के नेता को संभल जाने से रोका जा रहा है। हम सरकार से न्याय की मांग करेंगे।'' सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार को झांसी के अस्पताल में नवजात शिशुओं की मौत, बेरोजगारी, किसानों की आय, बिजली, सड़क और खाद के मुद्दे पर चिंता करनी चाहिए।''

यादव ने कहा, ''अगर वह (आदित्यनाथ) इतने ही धार्मिक व्यक्ति हैं, तो उन्हें हमें बताना चाहिए कि वह कैलाश मानसरोवर को चीन से कब मुक्त कराएंगे। देश के हिंदू चाहते हैं कि उन्हें कैलाश मानसरोवर के लिए वीजा की जरूरत नहीं होनी चाहिए।'' सपा सांसद इकरा हसन ने संभल के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि आखिर हिंसा क्यों हुई? उन्होंने कहा, ''जहां तक बाबर का सवाल है... ऐसी चीजों की कोई प्रासंगिकता नहीं है क्योंकि हमारे पास अब लोकतंत्र है। हमारे देश में एक संविधान और लोकतंत्र है, और हमें इसके अनुसार काम करना चाहिए। पहले उन्हें (योगी आदित्यनाथ) इन चीजों का पालन करना चाहिए।''

मैं डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार, मुख्यमंत्री भी डीएनए की जांच कराएं: अखिलेश यादव

मैं अपना डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार, मुख्यमंत्री भी डीएनए की जांच कराएं: अखिलेश यादव

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डीएनए वाले बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अपने डीएनए की जांच करवाने के लिए तैयार हैं बशर्ते मुख्यमंत्री भी अपने डीएनए की जांच कराएं। योगी ने अयोध्या में रामायण मेले के उद्घाटन के बाद विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाया और कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है।

अखिलेश ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री कितना विज्ञान जानते हैं और उन्होंने कितनी बायोलॉजी पढ़ी है लेकिन मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, आपके (मीडिया) जरिए मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। अगर वह डीएनए के बारे में बात करते हैं तो मैं डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं और मुख्यमंत्री को अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए। डीएनए की बात करना उन्हें (मुख्यमंत्री योगी को) शोभा नहीं देती।

गुलाबी गेंद अधिक चकमा देती है, इससे निपटने का तरीका खुद ढूंढना होगा : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एडिलेड/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि गुलाबी गेंद पारंपरिक लाल गेंद की तुलना में अधिक चकमा देती है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच में प्रत्येक खिलाड़ी को इससे निपटने का खुद का तरीका ढूंढना होगा।

प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ गुलाबी गेंद से खेले गए अभ्यास मैच में जल्दी आउट होने वाले रोहित ने अपने साथी खिलाड़ी केएल राहुल से सहमति जताते हुए कहा कि गुलाबी गेंद लाल कूकाबूरा की तुलना में अधिक तेजी से आती है। रोहित ने दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा,'' मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य चीज से ज्यादा गेंद की गति का आदी होने से जुड़ा है। आप लाल गेंद से खेलने के आदी हैं और गुलाबी गेंद निश्चित रूप से लाल गेंद की तुलना में थोड़ा अधिक चकमा देती है।'' लेकिन पुरानी कहावत है कि अभ्यास से ही व्यक्ति निपुण बनता है तथा दिन रात्रि टेस्ट मैचों में उपयोग की जाने वाली गुलाबी गेंद पर भी यह लागू होता है।

रोहित ने कहा,''हम पिछले तीन दिन से यहां अभ्यास कर रहे हैं और मेरा मानना है कि आप जितना अधिक गुलाबी गेंद से खेलोगे, उतनी ही चीज आपके लिए आसान होती जाएंगी। पिच से उछाल मिलेगी। इसलिए निश्चित रूप से आपको चुनौतियों का सामना करना होगा।''

बुमराह आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

दुबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट मैच में टीम की कप्तानी करते हुए भारत को 295 रन से बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नवंबर माह के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित किया गया है। बुमराह ने कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में भारतीय टीम का नेतृत्व किया, जो अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाए थे। भारत के इस तेज गेंदबाज को दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसन और पाकिस्तान के हारिस रऊफ के साथ नामांकित किया गया है। बुमराह ने नवंबर में आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी की थी और अब उनका लक्ष्य महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतना होगा।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने क्रिकेट को 'अभूतपूर्व ऊंचाइयों' पर ले जाने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नवनियुक्त चेयरमैन जय शाह ने बृहस्पतिवार को खेल की वैश्विक संचालन संस्था के प्रमुख के तौर पर इसके मुख्यालय का पहली बार दौरा करने के बाद क्रिकेट को 'अभूतपूर्व ऊंचाइयों' पर ले जाने का संकल्प लिया। अगस्त में निर्विरोध चुने गए 36 वर्षीय शाह आईसीसी चेयरमैन बनने वाले सबसे युवा और पांचवें भारतीय हैं। उनका कार्यकाल एक दिसंबर से शुरू हुआ। शाह ने चेयरमैन के तौर पर पहली बार दुबई में आईसीसी मुख्यालय का दौरा किया और इसे प्रेरणादायक बताया।

आईसीसी की ओर से जारी विज्ञप्ति में शाह ने कहा, ''मैंने जो देखा उससे मैं उत्साहित हूं लेकिन मैं मानता हूं कि यह तो बस शुरुआत है।'' उन्होंने कहा, ''क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कड़ी मेहनत अब शुरू हो गई है और मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर इस लक्ष्य को हासिल करेंगे।'' आईसीसी बोर्ड के निदेशकों और कर्मचारियों के साथ बैठक के बाद बोलते हुए शाह ने क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। इस यात्रा ने आईसीसी बोर्ड में मेरे सहयोगियों से जुड़ने का एक बहुमूल्य अवसर प्रदान किया जहां हमने इस अविश्वसनीय खेल के भविष्य को आकार देने के लिए शुरुआती खाके और रणनीतियों पर चर्चा की।

सुविचार

जिंदगी में हर जगह हम जीत चाहते है..सिर्फ फूलवाले की दुकान ऐसी है, जहाँ हम कहते है की हार चाहिए..क्योंकि हम भगवान से जीत नहीं सकते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

युवाओं को बनाएं हुनरमंद

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह कहकर आज की अत्यंत महत्त्वपूर्ण आवश्यकता का उल्लेख किया है कि स्मार्ट शहरों की तर्ज पर स्मार्ट गांव बनाने चाहिएं। प्राय: जब गांवों के विकास की बात होती है तो 'शहरीकरण' को विकास समझ लिया जाता है। लोग यह कहते मिल जाते हैं कि 'अब तो हमारा गांव ही शहर हो गया, यहां बड़ी-बड़ी इमारतें और शॉपिंग मॉल बन गए, हर घर में गाड़ियां आ गईं!' भारत में आबादी के अनुपात में न तो शहरों में पर्याप्त सुविधाएं जुटाने पर ध्यान दिया गया और न ही गांवों को इस स्तर पर विकसित किया गया कि वे आत्मनिर्भर बन सकें। आज भी गांवों में कई कामों के लिए शहरों की ओर दौड़ लगानी पड़ती है। बड़ी इमारतों, सड़कों, वाहनों आदि का अपनी जगह महत्त्व है, लेकिन गांवों को स्मार्ट बनाना है तो उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाना होगा। हमारे गांव खानपान के मामले में काफी हद तक आत्मनिर्भर हैं। रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाला सामान भी दुकानों पर आसानी से मिल जाता है। असल मुद्दे हैं- शिक्षा, रोजगार और चिकित्सा। अगर गांवों में शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर दिया जाए, ग्रामोद्योगों को विकसित किया जाए और वहां अच्छी चिकित्सा सुविधाओं का इंतजाम कर दिया जाए तो शहरों पर दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। एक दशक पहले, ग्रामीणों को सरकारी दफ्तरों से जुड़े छोटे-मोटे कामों के लिए भी शहर जाना पड़ता था। कोई दस्तावेज बनवाना होता तो दिनभर दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। यही स्थिति बैंक से जुड़े कामों को लेकर थी। अब इंटरनेट के कारण हालात बहुत बेहतर हो गए हैं। हालांकि सुधार की गुंजाइश बाकी है।

सरकार को चाहिए कि वह हर गांव में ऐसे इंतजाम कर दे, जिससे ग्रामीणों को शहर जाकर दफ्तरों के चक्कर बिल्कुल न लगाने पड़ें। इसके साथ ही रोजगार के अवसरों का सृजन करे। 'रोजगार' सिर्फ सरकारी नौकरी नहीं, बल्कि ऐसे विकल्प जिनसे हुनरमंद लोग बाजार मांग के अनुसार उत्पाद तैयार कर सकें। गांवों में इसके लिए बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन ज्यादातर युवाओं का हुनरमंद न होना एक समस्या है। आज का नौजवान पढ़-लिखकर खेती नहीं करना चाहता। उस पर अभिभावकों और रिश्तेदारों का काफी दबाव होता है कि वह जल्द से जल्द सरकारी नौकरी पाए। वहीं, गांवों में उच्च गुणवत्ता की ऐसी कितनी ही चीजें तैयार की जा सकती हैं, जिनकी शहरों में खूब मांग है, लेकिन ज्यादातर नौजवानों के पास न तो इसके लिए कोई प्रशिक्षण होता है और न वे ऐसा रोजगार करना चाहते हैं। अभी केंद्र सरकार मोटे अनाज की खेती और उसे खानपान में शामिल करने पर बहुत जोर दे रही है। यह काफी पौष्टिक होता है। पिछले कुछ दशकों में इसकी बहुत उपेक्षा की गई। अब ढाबों से लेकर होटलों तक इसे परोसा जा रहा है। मोटे अनाज से संबंधित पकवानों, उत्पादों का बहुत बड़ा बाजार है, लेकिन इसकी ओर कितने युवाओं का ध्यान है? अगर मोटे अनाजों से बिस्किट, केक, ब्रेड, नमकीन जैसी चीजें बनाकर बेची जाएं तो लोग उन्हें पसंद करेंगे। हर गांव में स्थानीय फसलों से ऐसे ढेरों उत्पाद बनाए जा सकते हैं, जिनके बारे में अभी बहुत कम लोग जानते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान की शुष्क जलवायु में ग्वार की फसल आसानी से हो सकती है। कितने युवा जानते हैं कि ग्वार की फलियों से बहुत स्वादिष्ट नमकीन बनाई जा सकती है? ऐसी चीज चाय की थड़ियों, रेस्टोरेंटों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों, ढाबों और होटलों में बेची जा सकती हैं। ब्याह-शादियों, पार्टियों के खाने में कैर-सांगरी की खूब मांग रहती है। कितने युवाओं के पास इनकी खेती और मार्केटिंग का हुनर है? देश में मांग बहुत है, बस युवाओं को उसके अनुसार हुनरमंद होने की जरूरत है। सरकार को स्मार्ट गांव बनाने के साथ ही युवाओं को हुनरमंद भी बनाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

पहले सरकारी कार्मिकों एवं पेंशनरों को इलाज करवाने के लिए तमाम कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी। स्वास्थ्य की परेशानियों से जूझते हुए यह कागजी कार्रवाई इलाज की प्रक्रिया को जटिल और कष्टप्रद बना देती थी।

-अशोक गहलोत

राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री श्री ओटाराम देवासी जी की पूज्य माता श्रीमती डोली बाई जी के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त करती हूँ। इस कठिन घड़ी में मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वह शोकाकुल परिजनों को संबल दें एवं दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

-वसुंधरा राजे

टोंक शहर में लगभग 66 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले बहुमंज़िला ट्रॉमा हॉस्पिटल प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इसकी स्वीकृति 4 वर्ष पहले हुई थी। आज संबंधित अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि अगले 3-4 महीनों में यह ट्रॉमा हॉस्पिटल की बिल्डिंग तैयार हो जाएगी।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

सच्चा इंसान

शिबली इराक के एक सूबे का शासनाधिकारी था। सेवानिवृत्त होने के बाद वह सूफी संत जुनैद के पास गया। उसने कहा, 'मुझे खुदा का भक्त और ईमान का पाबंद बनना है। आप मुझे अपना शिष्य बना लें।' संत ने कहा, 'ईमान का पाबंद ऐसे ही नहीं बनता। उसके लिए मान-अपमान की भावना बिल्कुल खत्म करनी पड़ती है।' शिबली ने कहा, 'बाबा, आप जैसा कहेंगे, वैसा करूंगा।' सूफी जुनैद ने कहा, 'दरवेश बन जाओ। बगदाद में एक साल तक भीख मांगो।' शिबली एक साल तक भीख मांगकर गुजारा करता रहा। जब वह लौटकर आया, तो सूफी जुनैद ने कहा, 'तुम एक सूबे के हुक्मरान थे। अब तुम जाओ और जिन लोगों का तुमने जाने-अनजाने बुरा किया, उनसे माफी मांगो।' शिबली घर-घर जाकर माफी मांगता रहा। एक वर्ष बाद लौटकर आया, तो जुनैद ने कहा, 'अब एक साल तक गरीबों, अपंगों, बीमारों और असहायों की सेवा करो। उन्हें अपने हाथों से दवाइयां और फल बांटो।' शिबली जगह-जगह घूमता, बीमारों और असहायों की सेवा करता। किसी को रोते देखता, तो उसका दु:ख-दर्द जानकर उसका निवारण करता। दुखी लोग खुश होकर उसे दुआ देते। वह पूरे शहर में लोकप्रिय होता गया।

सामयिक

महाराष्ट्र में भाजपा के चाणक्य साबित हुए देवेंद्र फड़णवीस

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरुआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

2014 में पहली बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद फडणवीस अपनी कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता, दृढ़संकल्प, राजनीतिक कौशल एवं अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से उन्होंने अपनी असीम क्षमताओं को आकार दिया। उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है। भाजपा के प्रदर्शन में फडणवीस ने अपने योगदान का पुरजोर दावा किया है।

वे चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का मुख्य चेहरा थे और उन्होंने राज्य के सभी छह क्षेत्रों में 64 रैलियां कीं। उनको मिली शानदार सफलता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें मिला अटूट समर्थन था। संघ इस बात पर अड़ा हुआ था कि भाजपा को कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की तरह लो-प्रोफाइल नेता नहीं चाहिए और फडणवीस ही इस पद के लिए उसकी पहली पसंद हैं। शाह, योगी और फडणवीस- इन तीनों के सामने अभी बहुत वर्षों की राजनीति शेष है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर बढ़ते हुए फडणवीस को ऐसे सर्वमान्य व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो खींचतान और दबाव के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, उनमें हर बड़ी-से-कड़ी जिम्मेदारी को निभाने की क्षमता है। इस विधा में उनके कौशल का परीक्षण अब महाराष्ट्र में तीन-पक्षीय गठबंधन सरकार के नेतृत्व से होने जा रहा है।

नजरिया

हिंदुत्व की राह पर चलने में ही भाजपा का भला

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

वर्ष 2024 लोकसभा चुनावों के बाद भारतीय जनता पार्टी में बहुत कुछ बदला है। लोकसभा चुनावों में शिकस्त मिलने के बाद केंद्र में सरकार तो बन गई पर फैसले लेने में सरकार पहले जैसी कॉन्फिडेंट नहीं दिख रही है। यही कारण है कि भाजपा ने अब हिंदुत्व की राह पर चलने का फैसला कर लिया है। इस हिंदुत्व के फैसले को बल देने के लिए भाजपा मुख्यमंत्रियों में होड़ लग गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले दिनों ऐसे फैसले लिए हैं और ऐसे बयान दिए हैं कि योगी आदित्यनाथ भी फीके पड़ जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि दोनों मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व से आगे निकलना चाहते हैं।यही नहीं योगी आदित्यनाथ भी इधर कुछ दिनों से लगातार उग्र हिंदुत्व की राह पर है।इस तरह पर तीन मुख्यमंत्रियों के बीच उग्र हिंदुत्व का झंडाबरदार बनने की होड़ लगी हुई है।

हिमंता बिस्वा सरमा के मुसलमानों के खिलाफ लगातार बयान, इसके साथ ही चाइल्ड मैरिज के नाम पर मुस्लिम शादियों में रुकावट डालने तथा जुम्मे की नमाज को लेकर जो फैसले हुए हैं, उसे साफ तौर पर पता चलता है कि हिमंता हिंदुत्व की राह पर तेजी से दौड़ रहे हैं। अब असम विधानसभा मुस्लिम विधायकों को शुक्रवार को नमाज अदा करने के लिए दिए जाने वाले दो घंटे के अवकाश को खत्म करेगी। हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया कि 2 घंटे की जुम्मा छुट्टी को खत्म करके, असम विधानसभा ने उत्पादकता को प्राथमिकता दी है और औपनिवेशिक बोझ के एक और अवशेष को हटा दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि यह प्रथा 1937 में मुस्लिम लीग के सैयद सादुल्ला द्वारा शुरू की गई थी। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए स्पीकर बिस्वजीत दैमारी और हमारे विधायकों को मेरा आभार।

हिमंता बिस्वा सरमा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उनमें मूलत: राज्य के निवासी ''हिंदू विधायकों'' को विधानसभा में अपनी बात नहीं रखने देने की प्रवृत्ति विकसित हो गई है। असम भूमि एवं राजस्व विनियमन (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा के दौरान, शर्मा ने अपनी पार्टी के विधायक भुवन पेगू के भाषण को बाधित करने के लिए भी विपक्षी सदस्यों की कड़ी आलोचना की। शर्मा ने पेगू का बचाव करते हुए कहा, मूलत: राज्य के निवासी हिंदू विधायकों को सदन में नहीं बोलने देने की एक नयी प्रवृत्ति उत्पन्न हो गई है। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है। कृपया इतने आक्रामक न हों। हमारी जमीन के बाद अब विधानसभा पर कब्जा करने की कोशिश न करें। पेगू तत्कालीन पूर्वी बंगाल से असम में लोगों के कथित प्रवासन और आक्रामकता के बारे में पुराने विधानसभा रिकॉर्ड का उल्लेख करते हुए एक बयान दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, आप हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर बात करना बंद नहीं कर सकते। ये जीवन की कठोर वास्तविकताएं हैं। हाल ही में राज्य विधानसभा में बोलते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि - मैं असम को मियां लोगों की भूमि नहीं बनने दूंगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को गोमांस खपत को प्रतिबंधित करने के लिए राज्य में बीफ प्रतिबंध को रेस्तरां, होटलों और सार्वजनिक कार्यक्रमों तक बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में हमने निर्णय लिया है कि किसी भी रेस्तरां या होटल में गोमांस नहीं परोसा जाएगा और किसी भी सार्वजनिक समारोह या सार्वजनिक स्थान पर भी गोमांस नहीं परोसा जाएगा, इसलिए आज से हमने निर्णय लिया है कि होटल, रेस्तरां और में गोमांस का सेवन पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पहले हमारा निर्णय मंदिरों के पास गोमांस खाना बंद करने का था लेकिन अब हमने इसे पूरे राज्य में विस्तारित कर दिया है कि आप इसे किसी भी सामुदायिक स्थान, सार्वजनिक स्थान, होटल या रेस्तरां में नहीं खा पाएंगे। मौजूदा असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के अनुसार, उन क्षेत्रों में गोमांस और गोमांस उत्पादों की बिक्री या खरीद पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जो मुख्य रूप से हिंदू, जैन, सिख और अन्य गैर गोमांस खाने वाले समुदायों द्वारा बसाए गए हैं या किसी मंदिर या अन्य धार्मिक संस्थान के 5 किलोमीटर के दायरे में हैं।

हिमंता के लिए हिंदुत्व का पोस्टर बॉय बनने की धुन आज की नहीं है। भारतीय जनता पार्टी जॉइन करने के बाद से ही उन्होंने हार्डकोर हिंदुत्व की राह पकड़ ली थी। मुस्लिम आबादी को लेकर लगातार बयान,चाइल्ड मैरेज के नाम पर मुस्लिम शादियों में रुकावट डालने की कोशिश या सीएए और एनआरसी की बात रही हो, कांग्रेस से भाजपा में आए हिमंता मुस्लिम समुदाय के खिलाफ इस तरह से आग उगलते हैं जिसका मुकाबला जन्मजात भाजपाई भी नहीं कर सकते। अभी पिछले हफ्ते की ही बात है हिमंता ने निजी स्वामित्व वाले विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय (यूएसटीएम) से पढ़ाई करने वाले छात्रों को असम सरकार की नौकरियों में रोक लगाने की बात कही। एनआईआरएफ के तहत शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में से एक है। यह संस्थान असम के एक बंगाली-मुस्लिम महबुबुल हक के स्वामित्व वाले फाउंडेशन द्वारा संचालित है, जो संस्थान के चांसलर भी हैं। हिमंता का मानना है कि इस विश्वविद्यालय परिसर के निर्माण के लिए वनों और पहाड़ियों की कटाई का ही नतीजा है कि गुवाहाटी को अचानक बाढ़ का सामना करना पड़ा। सरमा का कहना है ये सब असम के खिलाफ बाढ़ जिहाद के कारण हुआ है।

सरमा ने इससे पहले बंगाली-मुस्लिम किसानों पर उर्वरक जिहाद का भी आरोप लगाया था। कहा था कि सब्जियां उगाने में उर्वरक के अनियंत्रित उपयोग के कारण लोगों में बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने राज्य में मुसलमानों पर भूमि जिहाद का आरोप लगाते हुए उन्हें जमीन की बिक्री पर अंकुश लगाने के फैसले की भी घोषणा की और कहा है कि सरकार लव जिहाद के लिए आजीवन कारावास की सजा वाला एक कानून लाएगी। यही सब कारण है कि असम में उनकी लोकप्रियता में लगातार इजाफा हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व के फायरब्रांड लीडर रहे हैं। पर मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके तेवरों में थोड़ी नरमी आ गई थी। पर पिछले कुछ महीनों से ही अचानक उन्होंने अपना पुराना चोला फिर से ओढ लिया है।वो फिर से उग्र हिंदुत्व की अपनी जानी पहचानी शैली में वापस आ गए हैं।हाल ही में बांग्लादेश स्थिति को लेकर उन्होंने जब-जब मुंह खोला , आग ही उगला है। आगरा में उन्होंने हिंदुओं से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर बंटेंगे तो कटेंगे।बांग्लादेश वाली गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए। एक रहेंगे तो नेक रहेंगे और सुरक्षित रहेंगे। इसी बंटेंगे तो कटेंगे वाले स्लोगन को जनता ने स्वीकार किया व उपचुनाव में 9 में से 7 सीट जीत कर उन्होंने अपना चमत्कार कर दिखाया। यही नहीं देखा जाय तो महाराष्ट्र में भाजपा को बंटेंगे तो कटेंगे वाले स्लोगन ने एक कर दिया व भाजपा को प्रचंड जीत मिली।

योगी के कट्टर हिंदुत्व का यह रूप पिछले कुछ महीनों से ही दिखने लगा था जब उन्होंने जुलाई महीने के अंत में, राज्य सरकार ने धर्मांतरण विरोधी कानून में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया, जिससे उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021 को और अधिक सख्त बना दिया गया। यूपी विधानसभा ने 30 जुलाई को संशोधन विधेयक पारित किया, जिसमें लव जिहाद को खत्म करने के अपने इरादे को फिर से रेखांकित किया गया।कांवड़ यात्रा मार्ग पर सड़क किनारे विक्रेताओं और दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों के बाहर अपना नाम लिखने के आदेश पर पूरे देश में उनके समर्थन और विरोध हुआ है।अयोध्या रेप केस में आरोपी के मुसलमान होने पर काफी हिंदू-मुसलमान यूपी में हुआ है। योगी ने इस मामले को खुद संज्ञान लेते हुए आरोपी का घर और प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर कार्रवाई का एक्शन लिया।राजनीतिक विश्लेषक सौरभ दुबे कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ की सफलता को देखते हुए अन्य मुख्यमंत्री जब उनकी राह के राही बनने की कोशिश कर रहे हैं तो योगी भला क्यों पीछे हटे। योगी आदित्यनाथ को भी हिंदू हृदय सम्राट की पदवी बरकरार रखनी है इसलिए उन्हें भी अपने पुराने रूप में आना ही फायदेमंद दिख रहा है।

बात करें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की तो जन्माष्टमी के दिन एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि भारत में जो रहना चाहते हैं, उन्हें हिंदू, भगवान राम और कृष्ण की जय कहना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस देश के नागरिक अपने-अपने धर्मों के पालन के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन वह देशभक्त रहें। इसके साथ यह भी कह गए कि खाता कहीं और का बजाता कहीं और का यह नहीं चलेगा।हालांकि मोहन यादव ने यह भी कहा कि देश हिंदू और मुसलमानों के बीच अंतर नहीं करता है, लेकिन उसे ऐसे लोगों की जरूरत है जो ईश्वर, उसकी रचना, ब्रह्मांड को समझें। उन्होंने कहा कि रहीम और रसखान का जन्म यहीं हुआ था। बीते दिनों छतरपुर में पुलिस पर पत्थरबाजी के आरोपियों के करोड़ों के घर सरकार ने तोड़ दिए। इस घर में रखी करोड़ों की गाड़ियों को भी बुलडोज कर दिया गया। पत्थरबाजी का आरोपी चूंकि मुसलमान था इसलिए कुछ लोगों को इस कार्रवाई में धार्मिक एंगल भी दिखा। सिर्फ छतरपुर ही नहीं, इंदौर में भी एक अतिक्रमणकारी ने प्रशासन पर गोली चलवाई थी, उसकी कोठी को भी प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। इसका सीधा मतलब है कि कानून व्यवस्था को हाथ में लेने वाले लोगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मोहन यादव ने ने मध्यप्रदेश के सीएम पद की शपथ लेने के साथ ही अपने इरादे जता दिए थे। उनके शुरूआती एक्शन में ही योगी की छाप दिखी थी। शपथ लेते ही उन्होंने खुले में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाना और लाउडस्पीकर पर बैन का फैसला लिया था। उसके बाद लगातार उन्होंने ऐसे फैसले लिए जो उन्हें हिंदू पोस्टर बॉय बनने की उनकी इच्छाशक्ति को दिखाता है। इतना ही नहीं मोहन यादव ने एमपी में भगवान राम और कृष्ण से जुड़े तीर्थ स्थलों की तरह विकसित करने का काम करने का बीड़ा उठाया है।उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के सात मंदिरों को जोड़े जाने का एक्शन प्लान बनाया जा रहा है। संघ के विचारकों और प्रमुख पदाधिकारियों की किताबें मध्य प्रदेश के कॉलेजों में पढ़ाने का भी फैसला लिया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के मदरसों में गैर मुस्लिम बच्चों की धार्मिक शिक्षा देने पर रोक लगाया जा रहा है। एक और बात यह है कि भाजपा को यह बात समझ में आ गई है कि मुस्लिम समाज का उन्हें वोट बिल्कुल भी नहीं मिलने वाला है।हिंदुत्व का ध्रुवीकरण होने पर विपक्ष के सारे तीरों से निपटने की भाजपा को ताकत मिल जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नगर कीर्तन

अमृतसर में सिख भक्त गुरुवार को स्वर्ण मंदिर में गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर नगर कीर्तन जुलूस में भाग लेते हुए।

सलमान खान की फिल्म के सेट पर घुसा शख्स, उनके अंगरक्षक को धमकाया

मुंबई/भाषा

अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म के सेट पर घुसने और जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम लेकर उनके अंगरक्षक को धमकाने के मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि घटना के समय खान बुधवार को शिवाजी पार्क इलाके में सेट पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने बताया कि आरोपी फिल्म उद्योग में काम करने वाला एक जूनियर कलाकार है जिसके खिलाफ गैर-संज्ञेय शिकायत दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जब आरोपी सेट पर पहुंचा तो एक अंगरक्षक ने उसे रोका और पूछा कि वह वहां क्या कर रहा है। शिकायत के अनुसार, उनके बीच बहस हुई और आरोपी ने बिश्नोई का नाम लेकर उसे धमकी दी। शिवाजी पार्क पुलिस ने व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351 (2) के तहत कथित आपराधिक धमकी के लिए गैर संज्ञेय मामला दर्ज किया। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी और अंगरक्षक एक-दूसरे को जानते थे और उनके बीच कुछ विवाद था। गैर-संज्ञेय मामले में, पुलिस प्राथमिकी दर्ज नहीं कर सकती या किसी व्यक्ति को तब तक गिरफ्तार नहीं कर सकती जब तक कि अदालत द्वारा निर्देश न दिया जाए।

सलमान खान (58) को पहले भी बिश्नोई गिरोह से कई धमकियां मिल चुकी हैं। गिरोह के दो सदस्यों ने कथित तौर पर इस साल अप्रैल में उनके आवास के बाहर गोलीबारी की थी। बाद में, पनवेल पुलिस ने भी खान पर हमले की साजिश का पर्दाफाश करने का दावा किया था।

शादी के बंधन में बंधे नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता नागा चैतन्य और अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला ने हैदराबाद में तेलुगू रीति-रिवाजों से बुधवार को शादी की। यह भव्य विवाह कार्यक्रम दूल्हे के परिवार के अन्नपूर्णा स्टूडियो में था। चैतन्य के दादा और तेलुगू सिनेमा के प्रसिद्ध कलाकार अक्कीनेनी नागेश्वर राव की प्रतिमा के अनावरण के बाद यह ऐसा पहला बड़ा कार्यक्रम था जिसका अन्नपूर्णा स्टूडियो में आयोजन किया गया था। चैतन्य के पिता और तेलुगु सिनेमा के मशहूर अभिनेता नागार्जुन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में चैतन्य (38) और शोभिता (32) की शादी की तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने लिखा, शोभिता और चैतन्य को एक साथ इस खूबसूरत सफर की शुरुआत करते देखना मेरे लिए बहुत खास और भावनात्मक पल है। आप दोनों को बहुत-बहुत बधाई। प्रिय शोभिता परिवार में आपका स्वागत है। आपने पहले ही हमारे जीवन में बहुत खुशियां ला दी हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवाह रात 8.13 बजे के शुभ मुहूर्त में सम्पन्न हुआ।

बाबर के युग में जो हुआ और अब बांग्लादेश में जो हो रहा है उसका डीएनए एक : योगी आदित्यनाथ

अयोध्या/कानपुर/भाषा

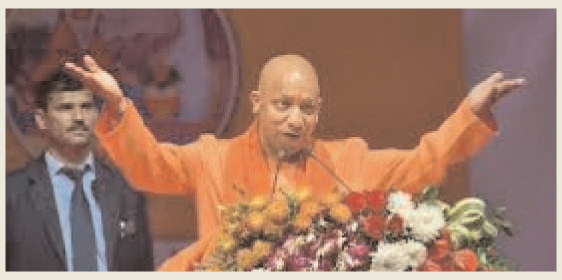

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अयोध्या व संभल में मुगल शासक बाबर की सेना ने जो किया और आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, उसका डीएनए एक ही है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आदित्यनाथ को डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।

आदित्यनाथ ने यहां 43वें रामायण मेले का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान राम ने इस पूरे समाज को एक किया था। अगर हमने एकता को महत्व दिया होता और देश के दुश्मनों की रणनीति सफल नहीं होने दी होती तो यह देश कभी गुलाम नहीं बनता। हमारे तीर्थ कभी अपवित्र नहीं हुए होते। मुट्ठीभर आक्रांता हम पर आक्रमण नहीं कर पाते और भारत के वीर सैनिकों ने उन्हें कुचल दिया होता।

मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, लेकिन इस समाज में अड़चने पैदा करने वाले सफल हो गए। सामाजिक ताने-बाने को छिन्न भिन्न करने के लिए जाति आधारित राजनीति करने वाले आज भी सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, आप देखें कि पड़ोसी देशों में हमारे दुश्मन किस प्रकार का कृत्य कर रहे हैं। 500 वर्ष पहले बाबर के एक जनरल ने अयोध्या और संभल में जो कृत्य किए थे ठीक वैसा ही आज बांग्लादेश में हो रहा है। इन तीनों जगहों पर कृत्यों की प्रकृति और डीएनए समान है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर कोई सोचता है कि बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह यहां नहीं होगा तो वह भ्रमित है। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी तत्व पहले से ही यहां खड़े हैं और सामाजिक ताना बाना खराब कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, इन विभाजनकारी ताकतों में कई ऐसे लोग हैं, जिन्होंने विदेशों में संपत्ति खरीदी हुई है और यहां संकट पैदा होने पर वे भागकर उन स्थानों पर चले जाएंगे तथा यहां लोगों को मरने के लिए छोड़ देंगे। वे यही करते हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के इस वर्ष अगस्त में पतन के बाद से पड़ोसी मुल्क में हिंदू समुदाय समेत धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसा की खबरें आ रही हैं। इस बीच, अखिलेश यादव ने आदित्यनाथ के डीएनए वाले बयान पर पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपने डीएनए की जांच करवाने के लिए तैयार हैं बशर्ते मुख्यमंत्री भी अपनी डीएनए की जांच कराएं। अखिलेश ने कानपुर में संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री कितना विज्ञान जानते हैं और उन्होंने कितनी बायोलॉजी पढ़ी है लेकिन मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, आपके (मीडिया) जरिए मैं यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। अगर वह डीएनए के बारे में बात करते हैं तो मैं डीएनए टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं और मुख्यमंत्री को भी अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए।

अखिलेश ने कहा, डीएनए की बात करना उन्हें (मुख्यमंत्री योगी को) शोभा नहीं देती। एक संत, भगवा वस्त्र धारण किए एक योगी होने के नाते उन्हें डीएनए के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय पर अत्याचार की खबरों को लेकर अमेरिका ने चिंता जताई

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय पर अत्याचार की खबरों को अमेरिका ने बृहस्पतिवार को 'काफी चिंताजनक' करार दिया। अमेरिका ने कहा कि वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार समेत अपने सभी साझेदारों के साथ चर्चा में इस बात पर जोर देता है कि हर व्यक्ति को उसके धर्म और विश्वास के मुताबिक जीने की आजादी मिलनी चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट मक्लाउड ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर अत्याचारों के बारे में पूछे जाने पर इंदौर में संवाददाताओं से कहा, ''फिलहाल बांग्लादेश से आ रही इन खबरों को अमेरिकी प्रशासन काफी चिंताजनक समझता है। हम हालात को ध्यान से देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि पूरे क्षेत्र में हरेक व्यक्ति को अपने धर्म और विश्वास के मुताबिक जीवन जीने की आजादी मिलनी चाहिए। हम इस सिलसिले में अपनी फिक्र का इजहार अपने सभी साझेदारों के साथ बातचीत में करते हैं, जिनमें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी शामिल है।''

मक्लाउड, अमेरिकी विदेश विभाग के लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय मीडिया केंद्र की हिंदुस्तानी भाषा की प्रवक्ता हैं। उन्होंने एक सवाल पर कहा कि रूस ने संयुक्त राष्ट्र के संप्रभुता, स्वतंत्रता और जमीनी सरहदों के सम्मान के बुनियादी सिद्धांतों को नजरअंदाज करते हुए यूक्रेन के खिलाफ 'आक्रामक जंग' छेड़ रखी है।

मांग

कोलकाता में गुरुवार को हिंदू संत समाज के सदस्य बांग्लादेश में गिरफ्तार हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग करते हुए।

प्रियंका चोपड़ा ने 'सिटाडेल 2' की शूटिंग पूरी की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी आने वाली सीरीज सिटाडेल 2 की शूटिंग पूरी कर ली है। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर कैप्शन में लिखा, कुछ दिनों से मैं काफी उत्साहित और रोमांच में रही हूं। हमने 'सिटाडेल सीजन 2' की शूटिंग को पूरा कर लिया है! यह साल मेरे लिए बहुत उतार-चढ़ाव भरा रहा है लेकिन इतने प्यार और समर्थन की वजह से कुछ आसान बन गया। प्रियंका ने कहा मैं सीरीज के एक्टर्स, क्रू और खासकर मेरी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मेरा साथ दिया। अब मैं छुट्टियों के मौसम में 'गोता लगाने' को तैयार हूं। 'सिटाडेल 2' का निर्माण डेविड वेइल ने किया है। इस सीरीज में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं और उनके किरदार का नाम नादिया सिंह है। प्रियंका के साथ 'सिटाडेल 2' में हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी हैं।

सोशल मीडिया पर गर्लफ्रेंड सबा आजाद का हौसला बढ़ाते नजर आए ऋतिक रोशन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता ऋतिक रोशन अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद का उत्साह बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ते। एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर सबा का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्हें गाते हुए देखा जा सकता है। 'वॉर' अभिनेता ने हाल ही में सबा को प्रोत्साहित करने के लिए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उनके गाने का एक वीडियो शेयर किया। इस पोस्ट के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा, किलिंग इट।'' क्लिप में अभिनेत्री को अपने लाइव शो के दौरान गाते और नाचते हुए देखा जा सकता है। यह पहली बार नहीं है जब ऋतिक ने अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद की तारीफ की हो। वह अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें प्यार भरे संदेश देते हैं। पिछले महीने, 'फाइटर अभिनेता' ने सबा के जन्मदिन पर एक पोस्ट शेयर की थी। जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक्टर ने कई शानदार तस्वीरें शेयर की थीं।

ऋतिक और सबा की प्रेम कहानी 2022 में शुरू हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह जोड़ा पहली बार ट्विटर पर तब जुड़ा जब अभिनेता ने सबा और एक रैपर का वीडियो लाइक और शेयर किया। सबा ने एक धन्यवाद संदेश के साथ जवाब दिया, जिससे दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। उन्हें पहली बार फरवरी 2022 में एक डिनर डेट के दौरान एक साथ देखा गया था। उस वर्ष के अंत में उन्हें करण जौहर के 50वें जन्मदिन पर एक साथ देखा गया था।

'मिर्जापुर' अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने खोले बॉलीवुड के कई 'राज'!

मुंबई/एजेन्सी

एक छोटे से शहर से बड़े सपने लेकर मुंबई आई श्वेता त्रिपाठी (39) ने अपने एक्टिंग करियर के साथ बॉलीवुड के कई 'राज़' खोले हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं कहानी का पीछा कर रही हूं, ऐसी कहानियां जो भावनाओं के स्तर को बढ़ाती हैं, ताकि जब लोग मेरी कहानी या मेरे किरदार को देखें तो उन्हें कुछ महसूस हो। पापा और मां की वजह से, मैं उन कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को प्रभावित करती हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या फिल्मों और शो का सीधा असर लोगों पर पड़ता, उन्होंने कहा, 'यह हमारी आदत बन गई है कि सरकार को यह करना चाहिए था, मीडिया को यह करना चाहिए था! आपको क्या करना चाहिए था? आइटम नंबर को न देखें। जब आपकी छोटी बच्चियां उस पर डांस कर रही हैं तो प्रोत्साहित न करें।' श्वेता ने कहा, 'हमें अपनी संस्कृति, अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए। मुझे छोटे शहर की भावनाएं, सपने और ड्राइव पसंद हैं।' उन्होंने 'मिर्ज़ापुर' के किरदार गोलू गुप्ता का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे अच्छा लगता है, मैं जहां भी जाती हूं, लोग श्वेता की जगह मुझे गोलू दीदी कहकर बुलाते हैं। यह अच्छा लगता है और इसमें स्नेह और सम्मान है। लोग डरते भी हैं और मुझे यह पसंद है, क्योंकि महिलाओं और लड़कियों के रूप में यह अच्छा है ... जब वे आपसे थोड़ा डरते हैं।'

'द रैबिट हाउस' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वैभव कुलकर्णी के निर्देशन में बनी फिल्म द रैबिट हाउस का ट्रेलर रिलीज हो गया है। द रैबिट हाउस पहले ही 21 इंटरनेशनल अवॉर्ड्स जीत चुकी है।हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण परिवेश में स्थापित, 'द रैबिट हाउस' दुनिया भर के दर्शकों और आलोचकों को आकर्षित कर चुकी है। यह फिल्म 20 दिसंबर को रिलीज़ होने वाली है और यह कृष्ण पंढारे की प्रोडक्शन की पहली फिल्म है। फिल्म निर्माता सुनीता पंढारे ने कहा, सिनेमा हमेशा से मेरी रुचि का विषय रहा है, और 'द रैबिट हाउस' के साथ, मैं एक ऐसी कहानी लाना चाहती था जो भारतीय संस्कृति में गहरी हो और साथ ही सार्वभौमिक रूप से संबंधित हो. यह फिल्म मेरे लिए एक सपना साकार होने जैसा है।यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, और ट्रेलर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखकर मैं अभिभूत हूं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे उतने ही गर्मजोशी से स्वीकार करेंगे जैसे हमारी टीम ने इसे किया है।

निर्देशक वैभव कुलकर्णी ने कहा, द रैबिट हाउस एक ऐसी कहानी है जिसे बताया जाना जरूरी था, और मैं उत्साहित हूं कि इसे रिलीज से पहले ही दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।मैं इंतजार नहीं कर सकता कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में अनुभव करें। फिल्म द रैबिट हाउस में पद्मनाभ गायकवाड, अमित रिया और करिश्मा प्रमुख भूमिका में हैं।

फिल्म 'वनवास' में नाना पाटेकर ने गाया गाना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार अनिल शर्मा की आने वाली फिल्म वनवास में नाना पाटेकर ने गाना गाया है। फिल्म वनवास का ट्रेलर हाल ही एक इवेंट में लॉन्च किया गया है। वनवास के ट्रेलर लॉन्च पर नाना पाटेकर के साथ उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर की मौजूदगी ने इवेंट को खास बना दिया। इवेंट में यह भी खुलासा हुआ कि नाना पाटेकर ने फिल्म के लिए एक गाना गाया है। वनवास के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पूरी टीम एक साथ नजर आई। इवेंट की सबसे खास बात ये रही कि नाना पाटेकर ने मंच पर गायक शान के साथ गाना गाया। परफॉर्मेंस के दौरान शान ने बताया कि नाना पाटेकर ने फिल्म के लिए एक गाना भी गाया है। फिल्म वनवास को अनिल शर्मा ने निर्देशित , निर्मित और लिखा है। 'वनवास' 20 दिसंबर को ज़ी स्टूडियोज द्वारा दुनिया भर में रिलीज हो रही है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु ऑटो चालक संघ द्वारा कन्नड़ राज्योत्सव के उपलक्ष्य पर नूडी हब्बा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विभिन्न कलाकारों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मामूली संकेत, लेकिन सुधार अब भी मुश्किल : विश्व बैंक

काबुल/एपी। विश्व बैंक ने कहा है कि दो वर्षों के गंभीर संकुचन के बाद अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के मामूली संकेत दिख रहे हैं, लेकिन सुधार अब भी मुश्किल है।

वित्तीय संस्था ने बुधवार देर रात दी अद्यतन जानकारी में बताया, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 2.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि निजी खपत की वजह से है। आंशिक सुधार खाद्य कीमतों में गिरावट के साथ धीरे-धीरे घरेलू कल्याण में सुधार करने में मदद करता है।

अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने से पहले काफी हद तक विदेशी सहायता पर निर्भर थी और भ्रष्टाचार व्याप्त था। तालिबान के सत्ता की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद अर्थव्यवस्था चरमरा गई क्योंकि अरबों डॉलर के अंतरराष्ट्रीय कोष 'फ्रीज' हो गए। बड़ी संख्या में कौशल वाले अफगानिस्तान के नागरिक देश छोड़कर भाग गए और अपना पैसा अपने साथ ले गए।

अफगानिस्तान के लिए विश्व बैंक के 'कंट्री डायरेक्टर' फारिस हदाद-जर्वोस ने कहा कि दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं के लिए घरेलू निजी क्षेत्र की पर्याप्त क्षमता का दोहन करना और समग्र कारोबारी माहौल में सुधार करना आवश्यक है।

हदाद-जर्वोस ने कहा, '' इसके लिए निवेश बढ़ाना, छोटे व्यवसायों को वित्त तक पहुंच प्रदान करना और शिक्षित तथा कुशल महिला उद्यमियों को समर्थन देना जरूरी है, ताकि उनके व्यवसाय फल-फूल सकें।'' उन्होंने कहा, '' इसके बिना देश में लंबे समय तक स्थिरता का जोखिम बना रहेगा और सतत विकास की संभावनाएं सीमित रहेंगी।''

तालिबान के शैक्षणिक संस्थानों को महिलाओं तथा लड़कियों को चिकित्सकीय प्रशिक्षण देना बंद करने का आदेश देने संबंधी मीडिया खबरों के कुछ दिन बाद विश्व बैंक की यह रिपोर्ट आई है।हालांकि तालिबान ने न तो आदेश की पुष्टि की है और न ही खबरों पर कोई प्रतिक्रिया दी है।

संयुक्त राष्ट्र की बच्चों के लिए काम करने वाली एजेंसी यूनिसेफ की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कथित प्रतिबंधों से बहुत चिंतित हैं।

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने कहा कि यूनिसेफ इन भिन्न-भिन्न विवरणों की सत्यता का पता लगा रहा है तथा इस मुद्दे के समाधान के लिए प्रयासों का स्वागत करता है। यदि इस प्रतिबंध की पुष्टि हो जाती है, तो हजारों महिलाओं की चिकित्सा शिक्षा तत्काल रुक जाएगी। महिलाओं तथा लड़कियों की स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, '' इससे न केवल महिलाओं की समाज में योगदान देने और आय अर्जित करने की क्षमता सीमित हो जाएगी, बल्कि अफगानिस्तान की आबादी के स्वास्थ्य पर भी इसके दूरगामी परिणाम होंगे। लोगों का जीवन भी खतरे में आ जाएगा।''

प्रदर्शन

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ ने गुरुवार को नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर 'छात्रों के लिए न्याय' की मांग करते हुए और शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

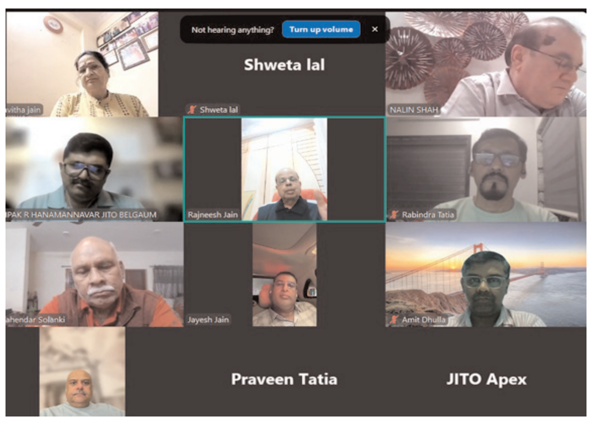

जीतो अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की ऑनलाइन बैठक आयोजित

जैन समाज के जरुरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर हुई गहन चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समाज की सामाजिक सुरक्षा, अल्पसंख्यक एवं एमएसएमई सरकार की योजनाओं के अधिकारों से समाज को जानकार बनाने के लिए जीतो अल्पसंख्यक विभाग राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की ऑनलाइन बैठक राष्ट्रीय अल्पसंख्यक के अध्यक्ष नलिन शाह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक के अध्यक्ष नलिन शाह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं को जैन समुदाय के अंत्योदय परिवार तक पहुंचाना और उसका लाभ दिलवाना ही हमारा लक्ष्य है। अपेक्स के डायरेक्टर और अल्पसंख्यक के इंचार्ज पुष्पक हनुमान ने कहा कि जोन और चैप्टरों की सक्रियता से यह काम व्यवस्थित हो सकता है। महामंत्री जयेश जैन ने कहा कि जोन और चैप्टरों के संयोजकों का चुनाव 15 दिसंबर तक होना है। बैठक में एमएसएमई की योजनाओं पर चर्चा हुई तथा कार्यकारिणी को विभिन्न जिम्मेदारी सौंपी गई।

उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक एक ऐसी योजना है जो साधार्मिक परिवारों को सीधा लाभ पहुंचाती है। तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक कमीशन बोर्ड के सदस्य व उपाध्यक्ष प्रवीण तातेड़ ने अपने विचार व्यक्त किए।

उपाध्यक्ष भावेश शाह ने जीतो अल्पसंख्यक वेबसाइट, एमएसएमई और एडब्ल्यूएस की योजनाओं को ज्यादा से ज्यादा लाभ जरुरतमंदों तक पहुंचाने की प्रेरणा दी। सभा में मंत्री कविता जैन, अमित जैन,रविंद्र टांटिया, कमेटी के सदस्य महेंद्र सोलंकी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। महामंत्री जयेश जैन ने धन्यवाद दिया।

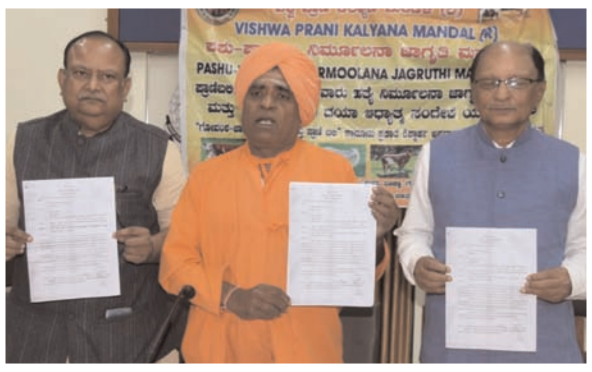

पशु बलि रुकवाने व अहिंसा-जीवदया जागरुकता के लिए 'संदेश यात्रा' का आयोजन

बेंगलूरु/पटना। विश्व प्राणी कल्याण मंडल, बेंगलूरु के प्रमुख दयानंदस्वामी ने पटना के बिहार चैंबर आफ कामर्स के सभागार में बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृतलाल, चंपारण के डीजीपी आलोक पूर्वा एवं बिहार नेपाल सीमा के एसपी स्वर्ण प्रभात से बैठक कर 8 और 9 दिसंबर को नेपाल के गढ़ीमाई मेले में आस्था के नाम पर लाखों की संख्या में भैंस के पाड़ा की बलि को रोकने के कार्य पर चर्चा की।

इस पशु बलि को रोकने के लिए दयानंद स्वामी ने नेपाल के सीमावर्ती जिले पश्चिम एवं पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया एवं किशनगंज के डीएम, एसपी से पशु बलि पर कानूनी रोक का तत्परता से पालन करवाने एवं आमजनों से भी आस्था के नाम पर क्रूरता को त्यागकर अहिंसक रुप से धार्मिक उत्सव मनाने का निवेदन किया है। अधिकारियों ने =पशु बलि रुकवाने हेतु सरकार की ओर से सहयोग देने की सहमति दी। इस बैठक में पद्मश्री विमल जैन एवं रमेश कामदार ने बताया कि भारत और नेपाल के भी सुप्रीम कोर्ट ने पशु बलि रोकने का आदेश दिया है, परन्तु लोक आस्था के नाम पर चोरी छिपे मूक पशुओं की बलि देकर गलत करते हैं, यह कानूनन अपराध है। स्वामी दयानंद ने कहा कि पशु बलि छोड़ो, नारियल फोड़ो। दयानंद स्वामी ने बताया कि पशु प्राणी बलि निर्मूलन जागृति के लिए जन मानस में चेतना का संचार करने, पशु बलि रुकवाने और अहिंसक रुप से धार्मिक उत्सव मनाने का संदेश देने हेतु अहिंसा, जीवदया आध्यात्म संदेश यात्रा का आयोजन10 दिसम्बर को पटना बिहार से झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल से होकर काठमांडू नेपाल तक किया जा रहा है।

दादी वार्षिक उत्सव एवं चरण पादुका उत्सव की तैयारी बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पीनिया स्थित दादी मंदिर में मासिक कीर्तन के अंतर्गत नरेन्द्र-ममता जालान द्वारा दादी की ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। सिद्धार्थ नोपानी, किशन बगड़िया, बिमल पवार, संजय चौधरी ने दादीजी व अन्य देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर महाप्रसाद, 56 भोग, मेहँदी उत्सव, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव भी मनाया गया। इसी मौके पर स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में आगामी 4 एवं 5 जनवरी को जेपी नगर स्थित शुभ कन्वेंशन सेंटर में वार्षिकोत्सव व चरण पादुका महोत्सव का आयोजन को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की गई।

अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल ने सभी का स्वागत किया। संयोजक संजय नोपानी ने बैठक का संचालन करते हुए कार्यक्रम की जानकारी दी। संयोजक बिमल जिलोका ने बताया कि 4 जनवरी को दोपहर 12.15 बजे से संगीतमय मंगलपाठ का आयोजन होगा जिसमें प्रियंका गुप्ता हैदराबाद व रिया शर्मा भागलपुर द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रकाश चौधरी ने बताया कि जया चौधरी के नेतृत्व में समिति परिवार के सदस्यों द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। संजीव खेतान ने बताया की कोलकत्ता के कारीगरों द्वारा दादीजी का भव्य श्रृंगार सजाया जाएगा । संजय चौधरी ने बताया कि पश्चिम बंगाल के तर्ज पर सिंदूर खेला कार्यक्रम भी होगा। शिवकुमार टेकड़ीवाल ने बताया कि भक्तों को चांदी से निर्मित पादुका भेंट की जाएगी। इस बैठक में बड़ी संख्या में दादी भक्त शामिल हुए।

प्रवासियों ने मरुधरा जैन संघ के अध्यक्ष का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बिलाडा विधानसभा क्षेत्र के निवासी रामचंद्र पटेल, अन्नाराम सीरवी, प्रकाश पारीक, लक्ष्मण सीरवी, सोहनलाल सीरवी ने शांतिनगर स्थित लुनावत भवन में बेंगलूरु के मरुधरा जैन संघ के नए अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर जवरीलाल लुनावत का सम्मान किया।

लुणावत प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ के महामंत्री भी हैं, उन्होंने सभी उपस्थित जनों से अपने अपने क्षेत्र में प्रत्येक परिवार के सभी सदस्यों को प्रवासी राजस्थानी कर्नाटक संघ का सदस्य बनाने का आह्वान किया। लुणावत ने इस कार्य हेतु अपने अपने विधानसभा के जानकार व कर्मठ कार्यकर्ताओं की एक कमेटी का गठन करने का सुझाव दिया। लुणावत ने बताया कि मार्च माह में विचाराधीन पंचायतों एवं नगरपालिका के चुनाव में सभी प्रवासी अपने अपने गांव व शहर जाकर अपनी भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करे।

जीतो लेडीज विंग नॉर्थ द्वारा 'सुदर्शन चक्र' फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ की लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में 'दि लीजेंड ऑफ सुदर्शन चक्र' फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन ईटा मॉल में किया। राष्ट्रीय प्रशिक्षिका रक्षा मांडोत ने सिनेमा को एक रचनात्मक माध्यम बताते हुए कहा कि आध्यात्मिक और धार्मिक फिल्में समाज में बदलाव लाने में सहायक होती हैं। उत्तर भारत श्रावक संघ के सचिव रवीन्द्र जैन और सुनील लोढ़ा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सुदर्शन चक्र फिल्म आध्यात्मिक गुरुदेव श्री सुदर्शन जी महाराज के जीवन पर आधारित थी।

इसमें उनके सामाजिक सुधारों के प्रयासों और जीवन के अंतिम दिनों को दर्शाया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी को शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने मुख्य प्रशिक्षिका का परिचय देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। संयोजिका अलका लोढ़ा और सह संयोजिका रिची कोठारी ने आयोजन की व्यवस्थाएं संभालीं। इस आयोजन में जीतो नॉर्थ की लगभग 150 सदस्याएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री मीना बडेरा द्वारा किया।

एकनाथ शिंदे : विद्रोह के बाद मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए, बनाई कर्मठ व्यक्ति की छवि

मुंबई/भाषा

वर्ष 2022 में शिवसेना से बगावत करने वाले वरिष्ठ नेता एकनाथ संभाजी शिंदे ने महाराष्ट्र में एक तेजतर्रार व कर्मठ नेता की छवि हासिल की है जिसे उन्होंने महायुति सरकार के नेतृत्व के दौरान ढाई साल के अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल में आकार दिया।

शिंदे (60) ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व वाली नई सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके (शिंदे के) कुछ उत्साही समर्थक भले ही इसे पदावनति बता रहे हों, लेकिन कभी ऑटो-रिक्शा चालक रहे शिंदे हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के दमदार प्रदर्शन के आधार पर यह दावा कर सकते हैं कि वही शिवसेना की विरासत के वास्तविक उत्तराधिकारी हैं।

नवंबर में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिंदे ठाणे जिले के कोपरी-पचपखाड़ी से विधायक चुने गए और उन्होंने पार्टी को भी शानदार जीत दिलाई। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें से 57 पर जीत हासिल की। वहीं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (उबाठा) का प्रदर्शन बहुत खराब रहा और वह केवल 20 सीट जीत सकी।

मुख्यमंत्री के अपने कार्यकाल (30 जून, 2022 से चार दिसबंर, 2024) में शिंदे ने हमेशा उपलब्ध रहने वाले नेता के तौर पर छवि

बनाई और मुंबई तटीय सड़क, मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (अटल सेतु, मेट्रो रेल, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग और धारावी पुनर्विकास जैसी बड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया।

विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ महागठबंधन की प्रचंड जीत में शिंदे की महत्वपूर्ण भूमिका रही और उनकी सरकार द्वारा महिलाओं के लिए लाई गयी लाडकी बहिन योजना पांसा पलटने वाली साबित हुई।

यह योजना महिलाओं के बीच इतनी लोकप्रिय हुई कि शिवसेना नेता को 'लाडका भाऊ' भी कहा जाने लगा।

ठाणे जिले से अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले शिवसेना नेता की सबसे बड़ी खूबी लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं तक उनकी पहुंच थी।

शिंदे ने जून 2022 में मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत की तो उनका यह कदम अपने राजनीतिक करियर को खतरे में डालने वाला प्रतीत हुआ, लेकिन ढाई साल बाद वह बेहद मजबूत होकर उभरे। उन्होंने खुद को न केवल सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में महत्वपूर्ण नेता के रूप में स्थापित किया, बल्कि महाराष्ट्र की बेहद प्रभावशाली हस्तियों में भी शुमार हुए।

कभी मुंबई से सटे ठाणे शहर में ऑटो चालक के रूप में काम करने वाले शिंदे ने राजनीति में कदम रखने के बाद बेहद कम समय में ठाणे-पालघर क्षेत्र में शिवसेना के प्रमुख नेता के तौर पर अपनी पहचान बनायी। उन्हें जनता से जुड़े मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाने के लिए जाना जाता था।

नौ फरवरी 1964 को जन्मे शिंदे ने स्नातक की शिक्षा पूरी होने से पहले ही पढ़ाई छोड़ दी और राज्य में उभर रही शिवसेना में शामिल हो गए। मूलरूप से पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा जिले से ताल्लुक रखने वाले शिंदे ने ठाणे जिले को अपना कार्यक्षेत्र बनाया।

ट्रंप ने इराक युद्ध में हिस्सा ले चुके पूर्व सैनिक को सैन्य सचिव चुना

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने इराक युद्ध में हिस्सा ले चुके पूर्व सैनिक को अपना सैन्य सचिव चुना है। नॉर्थ कैरोलाइना से ताल्लुक रखने वाले डेनियल पी. ड्रिस्कॉल, उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने गए जेडी वेंस के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम कर चुके हैं। डेनियल की वेंस से मुलाकात तब हुई थी जब दोनों 'येल लॉ स्कूल' में पढ़ रहे थे। उन्होंने 2020 में नॉर्थ कैरोलाइना कांग्रेस सीट के लिए रिपब्लिकन प्राइमरी में हिस्सा लिया था लेकिन असफल रहे थे। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, ''डेनियल साहसी और जुझारू योद्धा हैं जो अमेरिकी सैनिकों और 'अमेरिका प्रथम' के एजेंडे के लिए एक प्रेरणा हैं।'' अगर डेनियल (38) के नाम की पुष्टि होती है तो वे सैन्य शाखा की उस कमान का जिम्मा संभालेंगे, जो अपने कार्यक्रमों और कर्मियों की संख्या में व्यापक बदलाव के जरिए भर्ती की कमी को दूर करने के लिए संघर्ष कर रही है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.